दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 बदल रहा है गोरखपुर

5 यूपी पुलिस ने दो को किया ढेर

8 फैसला अब देश के हाथों में

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 27 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 30 दिसम्बर, 2024

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ हुआ। मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया। पूर्व पीएम की तबीयत बिगड़ने के बाद गुरुवार शाम को उन्हें एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया था।

हार्ट से संबंधित परेशानी के चलते 92 वर्षीय सिंह को अस्पताल के आपातकालीन विभाग में लाया गया था। जहां उनका इलाज किया जा रहा था, लेकिन बाद में उनके निधन की खबर सामने आई। गुरुवार रात 9 बजकर 51 मिनट पर मनमोहन सिंह ने अंतिम सांस ली।

नई दिल्ली के निगम बोध घाट पर अंतिम संस्कार हुआ

जब मनमोहन सिंह के बजट के समर्थन में उतरे वाजपेयी

भाजपा को छोड़ सभी दलों ने बताया था खराब

आगरा। वर्ष 1991 के मध्यावधि चुनाव के बाद वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने 5389 करोड़ रुपये का घाटे का संतुलित बजट पेश किया था। विपक्ष अधिक आलोचना नहीं कर सका। अटल बिहारी वाजपेयी और भाजपा ने इस बजट का समर्थन किया था। भाजपा को छोड़ सभी दलों ने इस बजट को खराब बताया था। वर्ष 1991 के मध्यावधि चुनाव के बाद कांग्रेस नेता पीवी नरसिंह राव प्रधानमंत्री बनाए गए। देश आर्थिक संकट से जूझ रहा था। मनमोहन सिंह को वित्त मंत्रालय का भार सौंपा गया। दुनियाभर के अर्थशास्त्रियों की निगाहें आगामी बजट पर टिकी थीं। मनमोहन सिंह ने 5389 करोड़ रुपये का घाटे का संतुलित बजट पेश किया। विपक्ष अधिक आलोचना नहीं कर सका। अटल बिहारी वाजपेयी और भाजपा ने बजट का समर्थन किया।

1 मार्च, 1992 को प्रकाशित खबर के अनुसार, तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने विषम आर्थिक परिस्थितियों में क्रांतिकारी केंद्रीय बजट पेश किया। जिसमें उन्होंने लगभग सभी वर्गों को खुश रखने की रणनीति अपनाकर संतुलित बजट पेश किया।

जिस पर भाजपा, राष्ट्रीय मोर्चा और वामपंथी दलों सहित अन्य विपक्षियों ने प्रतिक्रिया दी। बजट की कुछ खास आलोचना नहीं कर सके। भाजपा ने तत्कालीन आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस के सुर में सुर मिलाते हुए अच्छा बताया। वहीं, राष्ट्रीय मोर्चा व अन्य वामपंथी दलों ने इसे विश्व बैंक और आईएमएफ के आगे घुटने टेकने वाला कहा। पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह और चंद्रशेखर ने भी बजट की आलोचना की। अटल बिहारी वाजपेयी ही ऐसे शख्स थे जिन्होंने कहा कि बजट अच्छा है। वस्तुओं की कीमतों पर क्या असर होगा, यह देखने वाली बात है। अच्छा होता अगर आयकर सीमा को 28 से बढ़ाकर 48 हजार कर दिया जाता। मध्यम वर्गीय नौकरीपेशा लोगों की आयकर सीमा 22 हजार से बढ़ाकर 28 हजार रुपये कर दी। सोने के आयात को कानूनी बनाने के लिए साहसिक कदम उठाया और प्रवासी भारतीयों को पांच किलोग्राम तक सोना लाने की छूट दी। उन्होंने सोने के बदले बॉन्ड प्राप्त करने की एक स्कीम की घोषणा की। रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं को कर मुक्त कर दिया। उत्पाद और सीमा शुल्क में कमी की।

आर्थिक मामलों में नहीं मानते थे सिफारिश

वर्ष 1992 में राष्ट्रीयकृत बैंकों के चेयरमैन की नियुक्ति होनी थी। वित्त मंत्रालय ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से विचार विमर्श कर नौ राष्ट्रीयकृत बैंकों केनरा बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया व अन्य बैंकों के चेयरमैन मैनेजिंग डायरेक्टर पदों के लिए नौ नामों की सूची स्वीकृति के लिए मंत्रिमंडलीय नियुक्ति समिति के पास भेजी। केंद्रीय गृह मंत्री शंकर राव चव्हाण और रक्षा मंत्री शरद पवार के कारण कुछ नाम बदल दिए गए। इससे मनमोहन सिंह असंतुष्ट हो गए और बैंकों के चेयरमैन की नियुक्ति को ठंडे बस्ते में डाल दिया था।

पीलीभीत एनकाउंटर

होटल से निकलने के बाद इस राज्य में गए थे तीन आतंकी

पीलीभीत। पीलीभीत मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों को लेकर नया खुलासा हुआ है। मुठभेड़ में मारे जाने से पहले तीनों आतंकी इस राज्य में भी गए थे। यहां धार्मिक स्थल पर पहुंचे थे। 21 दिसंबर की रात 9:40 बजे होटल से निकलने और मुठभेड़ के बीच 30 घंटे के समय में तीनों खालिस्तानी आतंकी जिले की सीमा पार कर उत्तराखंड के उधम सिंह नगर गए थे। चर्चा है कि आतंकी यहां के किसी धार्मिक स्थल पर पहुंचे। ठहरने का सुरक्षित प्रबंध न होने पर वापस पूरनपुर आ गए। पुलिस और एजेंसियों की जांच–पड़ताल में भी यही बात निकलकर आई है। पुलिस को यह भी शक है कि तीन आतंकी कई अन्य जगहों पर भी गए। पुलिस तह तक पहुंचने के लिए हर बिंदुओं पर जोर दे रही है।

पंजाब के गुरदासपुर जिले के कलानौर थाने की बख्शीवाल पुलिस चौकी पर 18 दिसंबर को ग्रेनेड फेंक कर तीनों खालिस्तानी आतंकी 20 तारीख की देर शाम पीलीभीत के पूरनपुर पहुंचे थे। स्थानीय मददगारों के जरिये रात करीब आठ बजे तीनों आतंकी नगर के हरजी होटल में ठहरे। करीब 25 घंटे रुकने के बाद आतंकी 21 दिसंबर की रात करीब 9.40 बजे होटल से निकल गए थे। इसके बाद मुठभेड़ होने तक करीब 30 घंटे तक आतंकी बाहर रहे थे।

धार्मिक स्थल पर पहुंचे थे तीनों आतंकी

इस अवधि में तीनों आतंकी कहां रहे? उनकी क्या गतिविधियां रहीं? इस पर लगातार सवाल बने हुए हैं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इस दिशा में भी जांच–पड़ताल कर रही हैं। आम चर्चाएं भी जोरों पर हैं।

मनमोहन सिंह–कांग्रेस का दावा– यह किसी पार्टी का नहीं बल्कि देश के...

स्मारक पर सियासी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से डॉ. मनमोहन सिंह के लिए स्मारक बनाने की मांग की है। जबकि सरकार की तरफ से स्थल देने पर विचार करने के लिए दो–चार दिन का समय मांगा गया है। देरी को लेकर विपक्ष लगातार निशाना साध रहा है। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर कराने के सरकार के फैसले पर कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। उसने स्मारक बनाने की मांग की। साथ ही सरकार को इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करने की सलाह दी।

यह है मामला

दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को फोन कर डॉ. मनमोहन सिंह के लिए स्मारक बनाने की मांग की थी। खरगे के फोन के जवाब में सरकार की तरफ से स्थल देने पर विचार करने के लिए दो–चार दिन का समय मांगा गया। इसकी जानकारी कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में रखी गयी तो प्रियंका गांधी ने कहा कि ऐसे में अंतिम संस्कार के लिए मनमोहन सिंह को वीर भूमि या शक्ति स्थल का ही कोई हिस्सा दे दिया जाए, वहीं उनका समाधि स्थल भी बन सकता है।

अगर कोई चला जाता है तो उसके साथ दुश्मनी खत्म हो जाती

कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, जब कोई व्यक्ति मर जाता है, तो उसके साथ सारी दुश्मनी मिट जाती है। मगर, यहां राजनीति हो रही है। मैं एक छोटा सा सवाल पूछता हूं कि अटल जी का अंतिम संस्कार करना होता और कोई कहता कि स्मारक राजघाट पर नहीं बनेगा, कहीं और बनेगा तो आपको कैसा लगता? यह मुद्दा किसी पार्टी का नहीं बल्कि देश के इतिहास का है। दरियादिल दिखाना चाहिए था।

डीके शिवकुमार ने कही ये बात

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, उन्होंने देश और यहां के लोगों के लिए काम किया। उन्होंने कई क्रांतियां लाईं। उन्होंने समाज के हर वर्ग को देखा। पूर्व प्रधानमंत्री सिंह की स्मारक पर उन्होंने कहा, श्यह समय की मांग है। मुझे उम्मीद है कि वे (सरकार) सद्बुद्धि हासिल करेंगे और कांग्रेस पार्टी जो भी मांग करेगी, उसे पूरा करेंगे।

हम उनके लिए लड़ेंगे

कांग्रेस नेता सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि मनमोहन सिंह काफी सज्जन थे। वह हमारे देश के लिए एक महत्वपूर्ण प्रधानमंत्री थे। वह सबकी सुनते थे और हमेशा गरीबों की बात करते थे। उन्होंने आधार कार्ड की शुरुआत की। सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि हम उनके लिए लड़ेंगे।

पूरा देश देख रहा कि क्या हो रहा: खेड़ा

पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक के मुद्दे पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, इस मुद्दे पर टिप्पणी करने का यह सही समय नहीं है। पूरा देश देख रहा है कि क्या हो रहा है। न केवल कांग्रेस बल्कि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

अगर अटल बिहारी वाजपेयी को जगह दी...

कांग्रेस सांसद और पार्टी के पंजाब प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा, श्हम मांग कर रहे हैं कि सरकार को स्मारक के लिए जगह प्रदान करनी चाहिए। अगर अटल बिहारी वाजपेयी को जगह दी जा सकती है तो मनमोहन सिंह को क्यों नहीं? वह देश के इकलौते सिख प्रधानमंत्री थे। जब स्मारक बनेगा तो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी।

कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए: ठाकुर

स्मारक मुद्दे पर कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने कहा, यह बहुत दुखद है और इस विषय पर कोई राजनीति नहीं की जानी चाहिए। यह निंदनीय है कि देश की सेवा करने वाले प्रधानमंत्री को एक छोटी सी जगह नहीं दी जा रही है।

कार्रवाई–ट्रेनों और स्टेशन से करते थे मोबाइल चोरी

गोरखपुर। ट्रेनों और रेलवे स्टेशन सहित प्रमुख बाजारों से लोगों का मोबाइल फोन चुराकर नेपाल और बांग्लादेश में बेचने वाले झारखंड के गिरोह का जीआरपी गोरखपुर ने खुलासा किया है। जीआरपी ने गिरोह के सरगना समेत तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक नाबालिग है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी के करीब 10 लाख रुपये कीमत के 44 महंगे मोबाइल फोन, तमंचा, कारतूस और चाकू सहित अन्य सामान बरामद किए हैं। केस दर्ज कर पुलिस ने सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उनको जेल भेज दिया गया।

एसपी जीआरपी संदीप कुमार मीना ने बताया कि ट्रेनों से लेकर प्लेटफार्म तक मोबाइल चोरी की घटनाएं इधर अचानक बढ़ गईं थी। इसे देखते हुए जीआरपी की सर्विलांस टीम को सक्रिय किया गया था। एसएचओ जीआरपी थाना गोरखपुर विजय कुमार सिंह की अगुवाई में टीम ने चोरों की तलाश शुरू की। इसी बीच शुक्रवार सुबह टीम ने रेलवे स्टेशन के घड़ी गेट के सामने खड़े भाप इंजन के पास एक नाबालिग सहित तीन लोगों को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया। तलाशी में उनके पास से कई मोबाइल फोन मिले। पूछताछ में पता चला कि सभी फोन चोरी के हैं। आरोपियों की पहचान झारखंड प्रांत के जिला साहबगंज, तलझाड़ी थाना क्षेत्र के महराजपुर निवासी मनोज मंडल, उसके साथी तीन पहाड़ निवासी करन कुमार और एक नाबालिग साथी के रूप में हुई। सितंबर में भी पकड़ा गया था इसी गांव का गैंग रू एसपी ने बताया कि जीआरपी ने सितंबर में भी 120 मोबाइल के साथ एक गैंग को पकड़ा था। वह गैंग भी झारखंड प्रांत के उसी गांव का था, जिस गांव के यह आरोपी है। इस गांव के लोग गैंग बनाकर चोरी की घटना को अंजाम देते हैं। बताया कि गैंग के सदस्य जनरल टिकट लेकर ट्रेन में यात्रा करने के लिए चढ़ते थे। पहले वह एसी कोच में रेकी करते थे। भोर में वह एसी डिब्बे में घुस जाते थे। सोते समय यात्रियों का मोबाइल और कीमती सामान चोरी कर लेते थे।

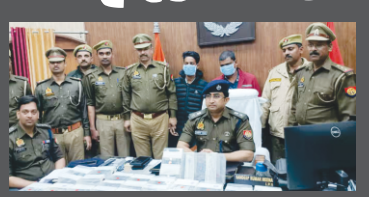

जीआरपी ने आरोपियों को गिरफ्तार किया –

एसपी जीआरपी संदीप कुमार मीना ने बताया कि ट्रेनों से लेकर प्लेटफार्म तक मोबाइल चोरी की घटनाएं इधर अचानक बढ़ गईं थी। इसे देखते हुए जीआरपी की सर्विलांस टीम को सक्रिय किया गया था।

सम्पादकीय

आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों का होगा वर्ष 2025

नए कैलेंडर वर्ष की शुरूआत हम हमेशा आशाओं के साथ करते हैं। आशा के साथ जीना मानव अस्तित्व की प्रकृति में है

आने वाला साल अनिश्चितताओं से भरा है। किसी प्रकार की सटीक भविष्यवाणी करना मूर्खता है और उस भविष्यवाणी का असफल होना निश्चित है। वैश्विक अनिश्चितता के मुख्य स्रोत आर्थिक और भू–राजनीतिक होते हैं। बाद में कुछ और भी कारक होते हैं। इनमें यूक्रेन में अंतहीन युद्ध का असर, इजरायल–हमास संघर्ष और पश्चिम एशिया के व्यापक क्षेत्र में इसका फैलाव, कई देशों में धुर दक्षिणपंथी दलों का उदय प्रमुख है, जिनमें जर्मनी भी शामिल है। नए कैलेंडर वर्ष की शुरूआत हम हमेशा आशाओं के साथ करते हैं। आशा के साथ जीना मानव अस्तित्व की प्रकृति में है। आने वाले वर्ष में चुनौतियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, आशावादी हमेशा निराशावादियों से आगे निकल जाते हैं। निराशावादी अर्थशास्त्रियों द्वारा फैलाई गई निराशा या कयामत की कोई भी संभावना आशावादियों को रोक नहीं सकती। भविष्य के प्रति उनका विश्वास कम नहीं होता। उसी भावना के साथ वर्ष 2025 के लिए एक पूर्वानुमान है जो कठिन चुनौतियों से भरा है।

आने वाला साल अनिश्चितताओं से भरा है। किसी प्रकार की सटीक भविष्यवाणी करना मूर्खता है और उस भविष्यवाणी का असफल होना निश्चित है। वैश्विक अनिश्चितता के मुख्य स्रोत आर्थिक और भू–राजनीतिक होते हैं। बाद में कुछ और भी कारक होते हैं। इनमें यूक्रेन में अंतहीन युद्ध का असर, इजरायल–हमास संघर्ष और पश्चिम एशिया के व्यापक क्षेत्र में इसका फैलाव, कई देशों में धुर दक्षिणपंथी दलों का उदय प्रमुख है, जिनमें जर्मनी भी शामिल है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल जर्मनी की सरकार ने इस महीने संसद में विश्वास मत खो दिया और अब वहां मध्यावधि चुनाव अगले साल के शुरू में होंगे। बढ़ते घाटे, वैदेशिक युद्धों के लिए अधिक धन की आवश्यकता, कौशल की कमी और कम शिक्षा से जूझ रही जर्मन अर्थव्यवस्था में लगातार दूसरे वर्ष संकुचन दिखाई दे रहा है। फिर, वहां बढ़ती विरोधी अप्रवासी भावना को अति दक्षिणपंथी दलों द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है। क्या जर्मनी रूस या नाटो की ओर झुकेगा? वह ईरान और उसके प्रतिद्वंद्वी चीन से कैसे निपटेगा? क्या उसकी अर्थव्यवस्था में उछाल आएगा?

भू–राजनीति से परे आर्थिक अनिश्चिताओं का माहौल है जिसे 20 जनवरी, 2025 को शपथ लेने वाले अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प हवा दे रहे हैं। उन्होंने उच्च आयात शुल्क, सरकारी फंडिग में कटौती, मजबूत अप्रवासी विरोधी नीति को बढ़ावा देना, नीतियों और अधिकांश वैश्विक जलवायु संधियों से पीछे हटने का वादा किया है। उनकी सरकार अधिक संरक्षणवादी होगी। ट्रम्प सरकार के लेन–देन में अमेरिका के विशुद्ध फायदे के नजरिए के साथ अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में संलग्न होने की संभावना है। इसके साथ ही ट्रम्प सरकार को मंदी की हवा के बीच बढ़ती महंगाई से भी लड़ना होगा। उधर अमेरिकी सरकार का कर्ज 35 लाख करोड़ डॉलर के नए शिखर पर पहुंच गया है। कर्ज के पहाड़ को पुष्ट करने तथा उच्च घाटे व उधार लेने के पीछे सरकार की एक अतृप्त भूख है। सिर्फ ऋ ण पर लगभग 1 लाख करोड़ डॉलर का ब्याज देय है। उधार लेने की भूख अमेरिकी डॉलर को मजबूत रखती है जिसके कारण भारतीय रुपये जैसी अन्य मुद्राएं गिर जाती हैं। कमजोर मुद्राएं मुद्रास्फीति को खराब करने का कारण बनती हैं।

अपने आर्थिक संकटों के बावजूद अमेरिकी शेयर बाजार ने 2024 के दौरान नई ऊंचाई देखीं जिससे वहां 150 से अधिक नए अरबपति बने। अमेरिका के 12 सबसे अमीर आदमी अब एक साथ 2 –2 लाख करोड़ डॉलर की हैसियत वाले हैं। इस प्रकार हमारे पास उच्च मुद्रास्फीति, उच्च बेरोजगारी, एक अनियंत्रित परिसंपत्ति बाजार विकास (स्टॉक और रियल एस्टेट) व व्यापक धन तथा आय असमानता का कॉकटेल है। देखा गया है कि जब पैसा कमाने का सामूहिक पागलपन जोर पकड़ लेता है तब शेयर बाजारों में अचानक और तेज सुधार की प्रवृत्ति होती है। साल 2008 में लेहमैन हादसे को बहुत कम लोगों ने समझा था। चीन अपने बैंकिंग और रियल एस्टेट में खींच–तान के साथ मंदी और बड़े कर्ज से भी लड़ रहा है। वह अक्षय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित नई अर्थव्यवस्था में संक्रमण करने की भी कोशिश कर रहा है। पूर्वी एशिया और जापान के अन्य हिस्से अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं और वहां बेहतर व्यापक आर्थिक विशेषताएं हैं।

बढ़ती असमानता एक वैश्विक चिंता है और इसके उन्मूलन या उसमें कमी लाना संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स– एसडीजीज) में से एक है। लोक–लुभावन नारे देने वाले नेताओं का उदय, कल्याणकारी योजनाओं में बढ़ता खर्च बढ़ती असमानता की प्रतिक्रिया है। यह एक नई चुनौती है कि कल्याणकारी खर्च के राजकोषीय बोझ का प्रबंधन कैसे किया जाए। भारत में भी केंद्र और राज्य– दोनों सरकारों के कल्याणकारी खर्च में बड़े पैमाने पर विस्तार हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक की एक हालिया रिपोर्ट में सब्सिडी और मुफ्त उपहारों को अंधाधुंध रूप से बढ़ाने के खिलाफ चेतावनी दी गई है। 2024 के दौरान भारत सहित साठ देशों में राष्ट्रीय चुनाव हुए और अधिकांश स्थानों पर मतदाताओं के लिए बढ़ती मुद्रास्फीति और असमानता बड़े मुद्दे थे। कई स्थानों पर, मुख्यतरू मुद्रास्फीति और आर्थिक कठिनाइयों के कारण चुनावों में (अमेरिका की तरह) सत्ताधारियों को हटा दिया गया था। भारत में भी झारखंड व महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव विशेष रूप से महिलाओं पर लक्षित उदार सब्सिडी के वादों से प्रभावित थे। देश में दो अन्य राज्य– दिल्ली और बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं तथा वहां गरीबों, महिलाओं और समाज के अन्य वर्गों को आय सब्सिडी की बात पहले से ही की जा रही है। कम से कम अभी के लिए यह बहस का विषय नहीं है कि इन सभी राहतों व घोषणाओं के लिए भुगतान कौन करने वाला है।

भारत के घरेलू मोर्चे पर कई चीजों पर नजर रखनी होगी। दो राज्यों के विधानसभा चुनावों का उल्लेख पहले ही किया गया है। बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय जनगणना शुरू होने की संभावना है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक एवं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में सुधार की तैयारी है। संसदीय सीटों के पुनरू समायोजन के परिसीमन अभ्यास पर चर्चा शुरू होगी। इसकी समय सीमा 2026 निर्धारित की गई है। सोलहवां वित्त आयोग इस वर्ष के अंत में अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देगा। क्या यह सरकार के तीसरे स्तर को सुनिश्चित धन प्रदान करेगा? कई राज्यों में नगर पालिकाओं और पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों के चुनावों में काफी देरी हुई है जिससे स्थानीय शासन प्रभावित हुआ है।चूंकि भारत में व्यापार घाटा बढ़ गया है इसलिए नवनिर्वाचित ट्रम्प प्रशासन की डॉलर नीतियों के मजबूत होने की संभावना के कारण रुपये में गिरावट आने की आशंका है। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश बढ़ाने को लेकर चिंता बनी रहेगी। यह कई वर्षों से गिर रहा है। पूंजी का रिसाव व अमीर लोगों का दूसरे देशों में पलायन भी चिंता का विषय है।

भारतीयों से शिक्षा के श्आयातश् (यानी विदेशों में पढ़ने वाले छात्रों पर होने वाल खर्च) पर 70 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। यह अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख निकास द्वार है और जो भारत में शिक्षा की गुणवत्ता या सामर्थ्य और उपलब्धता के बारे में असंतोष को दर्शाता है। प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर हम इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रसार, पेट्रोल के साथ इथेनॉल का अधिक सम्मिश्रण और शायद छोटे व मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टरों की पायलट परियोजनाओं की शुरुआत देखेंगे। एक बड़े आर्थिक विकास, जैसे निजी पूंजीगत खर्च में वृद्धि और ग्रामीण मजदूरी में सुधार पर नजर रखनी होगी। शहरी खपत में सुस्ती को देखते हुए फरवरी में पेश होने वाले केंद्रीय बजट में बजटीय प्रोत्साहन की जरूरत पड़ सकती है। संक्षेप में कहें तो निवेश तथा विकास के बारे में अनिश्चितताओं से भरा, असमानता को बढ़ाने वाला, भू–राजनीति और संघर्षों से प्रभावित एवं एक ढीली मौद्रिक नीति द्वारा निर्देशित परिसंपत्ति बाजार में वृद्धि से भरा वर्ष हमारे सामने आने वाला है।

नये राज्यपाल के आने के बाद बिहार में राजनीतिक बदलाव की संभावना

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 25 दिसम्बर को हुई बैठक के कई जटिल निहितार्थ थे

नीतीश कुमार के बिना भाजपा चुनावी जंग जीतने की कल्पना भी नहीं कर सकती। 22 दिसंबर को नुकसान की भरपाई के उपाय के तौर पर राज्य भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि आगामी बिहार चुनाव एनडीए और मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में जेडी(यू) प्रमुख नीतीश कुमार के साथ चुनाव लड़ा जायेगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 25 दिसम्बर को हुई बैठक के कई जटिल निहितार्थ थे। इसका उद्देश्य विपक्ष के आख्यानों का मुकाबला करने के लिए एक तंत्र विकसित करना था, मुख्य रूप से भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह को कांग्रेस के आक्रामक रूख से बचाने के लिए, क्योंकि कांग्रेस नेता भारत के संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर संबंधी शाह के बयान पर उनपर निशाना साध रहे हैं। दूसरा महत्वपूर्ण एजंडा नीतीश कुमार जैसे नेताओं को उनकी जगह दिखाना था। इसी के मद्देनजर, भाजपा की तर्ज पर एनडीए के लिए मार्गदर्शक मंडल बनाने का मुद्दा भी सामने आया।

एनडीए के अधिकांश नेताओं के लिए बैठक बुलाना अनिवार्य हो गया था। भाजपा नेताओं के उस वर्ग के लिए भी, जो भाजपा आईटी सेल और अमित शाह के करीबी लोगों द्वारा फैलाये जा रहे झूठ को मानने के लिए तैयार नहीं थे। राज्यसभा में अंबेडकर के खिलाफ उनकी टिप्पणी के बाद एनडीए के कुछ सहयोगी दलों ने अपना गुस्सा और खीझ जाहिर की थी। आरएसएस के शीर्ष नेताओं ने भी शाह की गैरजिम्मेदाराना बयानबाजी की आलोचना की थी। स्थिति को संभालने के लिए पहले कदम के तौर पर भाजपा नेतृत्व ने एनडीए की बैठक बुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही अमित शाह को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपने पक्ष में करने की सलाह दी थी। एनडीए के सभी नेताओं में नीतीश कुमार सबसे आक्रामक थे, हालांकि शुरुआत में चिराग पासवान और जीतन राम मांझी भी काफी नाराज थे। पशुपति पारस के जाने के बाद एनडीए ने उन्हें पहले ही परेशान कर दिया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कथित संवैधानिक उल्लंघन के लिए उसकी कड़ी आलोचना की। मोदी ने इंडिया ब्लॉक पार्टियों पर हमला करने से परहेज किया। उनका पूरा प्रयास संकट से बाहर निकलने का था। अमित शाह को कांग्रेस के हमले में गहरी साजिश नजर आयी। शाह ने कहा कि कांग्रेस शुरू में चुप रही, लेकिन फिर राजनीतिक बयानबाजी के लिए उनके बयानों को संपादित और गलत तरीके से पेश किया।शाह ने आगे आरोप लगाया कि इन दावों को दुर्भावनापूर्ण तरीके से बढ़ाने के लिए एक टूलकिट का इस्तेमाल किया गया था। शाह को सफेद झूठ बोलते देखना चौंकाने वाला था। फिर भी, शाह, जो कुछ समय से नीतीश के साथ सहज हैं, ने उन्हें हटाने के लिए मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य का उपयोग करने का फैसला किया। जिस दिन एनडीए कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए अपनी रणनीति बनाने के लिए बैठक कर रहा था, उसी दिन मोदी–शाह की जोड़ी ने केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बिहार भेज दिया। संयोग से, आरिफ के तबादले पर नीतीश से चर्चा नहीं की गयी थी। यह रात ग्यारह बजे के बाद हुआ।

स्थानांतरण का अपना महत्व है। नीतीश और आरिफ दोनों ही वीपी सिंह कैबिनेट के सदस्य थे। वे अच्छे दोस्त हैं। अमित शाह को यकीन था कि नीतीश उनके कार्यभार संभालने पर आपत्ति नहीं करेंगे। इसका मुख्य कारण नीतीश को मुसलमानों का अपमान करने का कोई मौका नहीं देना था। अंबेडकर प्रकरण के बाद नीतीश कुमार ने अपनी भावनाओं से अवगत कराया था कि उन्हें अमित शाह द्वारा दलितों की भावनाओं का अपमान करना पसंद नहीं है। वे पहले से ही मुसलमानों का अपमान करने और उन पर आरोप लगाने के लिए मोदी और शाह से नाराज थे। नीतीश कुमार ने 23 दिसंबर को मोतिहारी से शुरू की गयी अपनी प्रगति यात्रा के दौरान बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर के सामने सिर झुकाया और उनके विचारों और आदर्शों की सफलता के लिए काम करने की कसम खाई। जेडी(यू) के कुछ वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, यह मोदी–शाह को यह संदेश देने की कोशिश थी कि वह अंबेडकर पर उनकी राजनीतिक लाइन का समर्थन नहीं करते।

हालांकि अमित शाह उनके रवैये से चिढ़ते हैं, लेकिन मौजूदा राजनीतिक हालात में उनके पास नीतीश के रुख का सार्वजनिक रूप से समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि उन्हें बाहर करने के लिए एक सुनियोजित योजना पर काम किया जा रहा है। बिहार में अमित शाह अपने महाराष्ट्र या मध्य प्रदेश के फॉर्मूले को नहीं दोहरायेंगे। इसके बजाय वह दलदल वाली रणनीति अपनायेंगे। जैसे जेडी(यू) नेताओं का एक समूह उन्हें बताये बिना अपना नेता चुने और फिर उनके बाहर होने की घोषणा करे। भाजपा के कुछ नेताओं के सार्वजनिक दावे के बावजूद कि बिहार एनडीए 2025 के विधानसभा चुनाव नीतीश के नेतृत्व में लड़ेगा, राष्ट्रीय नेताओं, खासकर अमित शाह ने संकेत दिया है कि उनकी पार्टी उचित समय पर फैसला करेगी। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, जिन्हें अमित शाह का करीबी माना जाता है और कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, जो शाह के मित्र हैं, को छोड़कर जेडी(यू) के अधिकांश वरिष्ठ नेताओं को यह अच्छा नहीं लगा।

नीतीश कुमार द्वारा कुछ दिन पहले राज्य स्तरीय श्वैश्विक निवेश सम्मेलनश का बहिष्कार करने से यह आशंका और बढ़ गयी है कि वे कोई अतिवादी कदम उठा सकते हैं। नाराज नीतीश कुमार ने 20 दिसंबर को राजगीर में मगध सम्राट जरासंध की एक प्रतिमा का अनावरण करने के लिए नालंदा जिले का अपना दौरा भी रद्द कर दिया। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा नीतीश कुमार से दुश्मनी मोल लेने की हिम्मत नहीं कर सकती। हालांकि अमित शाह की टिप्पणियों के बाद जेडी(यू) और नीतीश दोनों ही घबरा गये हैं। नीतीश कुमार के बिना भाजपा चुनावी जंग जीतने की कल्पना भी नहीं कर सकती। 22 दिसंबर को नुकसान की भरपाई के उपाय के तौर पर राज्य भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि आगामी बिहार चुनाव एनडीए और मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में जेडी(यू) प्रमुख नीतीश कुमार के साथ चुनाव लड़ा जायेगा।

राष्ट्रीय भाजपा नेताओं को डर है कि उनकी योजना लागू होने से पहले ही विफल हो जायेगी। नीतीश कुमार जहां 2025 के मध्य में चुनाव कराने पर विचार कर रहे हैं, वहीं भाजपा नेता अक्टूबर–नवंबर में होने वाली नियत तिथि पर अड़े हुए हैं। दरअसल नीतीश कुमार को भाजपा की योजना के बारे में पता चल गया है और वह निश्चित रूप से उन्हें माफ नहीं करना चाहेंगे। सूत्रों का कहना है कि वह भाजपा नेताओं की विश्वासघाती योजनाओं से पहले से ही वाकिफ हैं, यही वजह है कि वह चुनाव समय से पहले कराना पसंद करेंगे। लेकिन उन्हें नये राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की भूमिका पर भी संदेह है।

इस बीच, सूत्रों का कहना है कि उन्होंने चुनौतियों से पार पाने के लिए बैक चौनल खोल दिये हैं। राजद के कुछ नेताओं का मानना है कि लालू यादव नीतीश कुमार को समर्थन देने को तैयार हैं, लेकिन एक शर्त के साथरू उनके बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाया जायेगा। हालांकि, कुछ विपक्षी नेता इसे बेतुका मानते हैं और वे पहले स्थिति को संभालने और भाजपा की योजना को विफल करने के पक्ष में हैं।

विवाद की शुरुआत जेडी(यू) में दूसरे नंबर के नेता माने जाने वाले संजय झा द्वारा आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को लिखे गये पत्र से हुई। एक सांसद के तौर पर झा किसी भी राजनीतिक दल के अध्यक्ष को पत्र लिख सकते हैं, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए था कि वे केजरीवाल द्वारा नीतीश कुमार को लिखे गये पत्र का जवाब दे रहे हैं। अपने जवाब में वे केजरीवाल के प्रति काफी कठोर थे। सवाल उठता है कि क्या वे व्यंग्यात्मक और तिरस्कारपूर्ण हो सकते हैं? क्या पत्र की विषय–वस्तु पर नीतीश कुमार की सहमति थी? बेशक झा की नीतीश के प्रति निष्ठा और समर्पण उन्हें दूसरों से अलग करता है।

उल्लेखनीय है कि 19 दिसंबर को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर उनसे पूर्व कानून और न्याय मंत्री बीआर अंबेडकर के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कथित विवादास्पद बयान के प्रभाव पर विचार करने का आग्रह किया। 20 दिसंबर को झा ने उन पर हमला किया– जब नीतीश कुमार ने सीएम पद से इस्तीफा दिया, तो उन्होंने एक महादलित (जीतन राम मांझी) को मुख्यमंत्री बनाया। दिल्ली में, उन्होंने इस्तीफा देने के बाद या पंजाब में दलित मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया?

एक्स सोशल मीडिया पोस्ट में झा ने लिखा, श्माननीय अरविंद केजरीवाल सर, मैंने बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखा आपका पत्र पढ़ा। मैं आपकी असली पीड़ा समझ सकता हूं। आपकी पीड़ा यह है कि उस दिन सदन में माननीय गृह मंत्री अमित शाह आपके गठबंधन के नेता, उनकी पार्टी और उनके परिवार की पोल खोल रहे थे...कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं ने बाबा साहेब के साथ जो दुर्व्यवहार किया, वह अक्षम्य है...हमारे नेता, बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलते हुए बिहार में दलितों और पिछड़ों के लिए जो किया है, आप और आपके गठबंधन के नेता उसकी कल्पना भी नहीं कर सकते। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप अपने पूर्वाग्रहों को त्यागें और देश की प्रगति के बारे में सकारात्मक सोचें।

पर्यावरण पर भी प्रहार कर रहा है रूस-यूक्रेन युद्धक्या यात्री जहाज पर्यावरण अनुकूल हो सकते हैं

इस पूरी पहल से आदिवासियों को वन अधिकार कानून के तहत् सामुदायिक वन अधिकार मिला है। पर्यावरण की रक्षा के साथ उनकी आजीविका की रक्षा भी हो रही है। जंगल में हरियाली बढ़ी है और जंगली जानवरों की रक्षा हो रही है। हरियाली बढ़ने के कारण पक्षियों की संख्या भी बढ़ी है। सूख चुके पानी के स्रोत भी सदानीरा हो गए हैं। मिट्टी पानी का संरक्षण हो रहा है। जैव विविधता और पर्यावरण का संरक्षण व संवर्धन हो रहा है। आदिवासियों का जीवन जंगल से जुड़ा हुआ है। वे प्रकृति पर निर्भर हैं, और उसे करीब से जानते हैं। महाराष्ट्र के ऐसे ही आदिवासियों समुदाय के साथ मुझे दो दिन गुजारने का मौका मिला। इस यात्रा से उनकी जीवनशैली, भोजन की विविधता और एकता को जाना समझा। आज ऐसे ही अनूठे समुदाय की यात्रा पर यह स्तंभ है, हम जान सकें कि किन कठिन परिस्थितियों में वहां के लोग रहते हैं, और जंगल, जैव विविधता व पर्यावरण को भी बचाते हैं।

कुछ समय पूर्व मुझे इन गांवों में जाने का मौका मिला। यहां मुझे कल्पवृक्ष के कार्यकर्ता सुभाष डोलस ले गए थे। उनके गांव येळवळी में ही दो दिन रूका। यह गांव पुणे जिले की खेड़ तहसील में स्थित है। जंगल और पहाड़ से घिरा हुआ है। यह बहुत छोटा गांव है, जहां 23 घर हैं और कुल आबादी 123 है। यहां के बाशिन्दे महादेव कोली आदिवासी हैं। इस गांव से 4 किलोमीटर दूर ही 12 ज्योर्तिलिंगो में से एक भीमाशंकर मदिर है। यहां साल भर धार्मिक श्रद्धालु आते रहते हैं। यह गांव पश्चिमी घाट स्थित सह्याद्री पर्वतमाला में बसा है। यहां तक पहुंचने का रास्ता अत्यंत दुर्गम है। ऊंची पहाड़ी है, जिसे चढ़ना पड़ता है। यहां धान की खेती प्रमुख है। भीमा नदी भी है, छोटे–छोटे तालाब भी हैं, जिससे कुछ गांव के लोग सिंचाई करते हैं। यहां के लोगों का जीवन मुख्य रूप से जंगल पर निर्भर है। वे जंगल से कई तरह के कंद–मूल, हरी पत्तीदार सब्जियां, फल–फूल, शहद लाते हैं। यहां के अधिकांश लोगों की आजीविका जड़ी–बूटी बेचकर चलती है। इसके अलावा, पशुपालन व मजदूरी भी करते हैं।

इस इलाके में बदलाव की शुरूआत पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत कल्पवृक्ष संस्था व ग्रामीणों ने मिलकर की। वर्ष 2008 से गांव–समाज पर्यावरण की रक्षा के साथ आजीविका की रक्षा कैसे कर सकते हैं, इस पर बैठकों का दौर हुआ। इन बैठकों में अधिकांश वन अधिकार कानून,2006 को लेकर हुई थीं। शुरूआत में बहुत कम लोग बैठकों में आते थे, लेकिन धीरे–धीरे उनका जुड़ाव होने लगा। येळवळी गांव में एक संगठन भी बन गया। इस संगठन का नाम है ग्राम पारिस्थितिकी विकास समिति।

कल्पवृक्ष के कार्यकर्ता सुभाष डोलस और प्रदीप चव्हाण ने बताया कि इस पूरी पहल को आगे बढ़ाने के लिए गांव में लोकतांत्रिक तरीके से बैठकें होती हैं। बैठक होने से दो–तीन दिन पहले स्थान व तारीख की जानकारी दी जाती है। बैठक में जितने भी लोग आते हैं, लगभग सभी को उनकी बात रखने का मौका दिया जाता है। विशेष तौर पर, महिलाओं को भी उनकी बात रखने का मौका दिया जाता है। बैठकों में गांव के सभी मुद्दों पर चर्चा होती है। जैसे बिजली, पानी, सड़क, पर्यावरण की रक्षा के साथ पर्यटन से आजीविका इत्यादि।

गांव के कल्पवृक्ष कार्यकर्ता सुभाष डोलस बताते हैं कि श्हमने तय किया कि हम जंगल का संरक्षण, व्यवस्थापन और पुनर्निर्माण करेंगे। इसके लिए वन अधिकार कानून के तहत् सामुदायिक हक लेंगे और जंगल के साथ आजीविका की रक्षा भी करेंगे। यह भी तय किया गया कि गांव के आसपास के जंगल में निगरानी की जाएगी और बाहरी लोगों को जंगल से लकड़ी लेने या किसी भी तरह से जंगली जानवरों को नुकसान पहुंचाने से बचाएंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत दो गांव खरपूड और भोमाळे गांव को वर्ष 2020 को सामुदायिक वन संसाधन और जंगल संरक्षण का अधिकार मिल गया है। खरपूड में 938 हेक्टेयर 73 आर का और भोपाळे में 462 हेक्टे. 15 आर का जंगल का अधिकार मिला है। अब इन दोनों गांवों में सामुदायिक वन संसाधन और जंगल संरक्षण व व्यवस्थापन का माइक्रो प्लान बनाया जा रहा है। इसके तहत कई शासकीय योजनाओं से जोड़कर पर्यावरण के साथ कई रोजगारमूलक कामों की योजना बनाई जा रही है। महाराष्ट्र आदिवासी विकास विभाग भी इस प्रक्रिया से जुड़ा है। मनरेगा को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा गया है जिससे लोग उनके खेतों में मेड़बंदी, समतलीकरण और वृक्षारोपण कर रहे हैं। गांव के प्रकाश मारूति डोलस बतलाते हैं, श्पहले हम नाचणी, सांवा, वरई, कांगू, बगर,कोलबा, हुलगे, तिल, उड़द की खेती करते थे। पहाड़ों के खेतों में हल नहीं चलता था, तो लकड़ी या लोहे से मिट्टी खोदकर हाथ से बीज बोते थे। अब तो हल भी चलाकर बोने लगे। पहले का खान–पान शुद्ध था, तो वे 100 किलोग्राम गेहूं की बोरी लेकर पहाड़ी चढ़कर गांव ले आते थे। उनकी मजबूत कद–काठी थी। देसी बीजों के संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से वर्ष 2016 में बीज महोत्सव का आयोजन भी किया गया था। इस कार्यक्रम में 6 गांव के लोग उनके पारंपरिक देसी धान के बीज भी लगाए थे। देसी बीजों की प्रदर्शनी भी लगाई थी। कार्यक्रम में पारंपरिक अनाजों की जानकारी व महत्व पर बातचीत की गई। सह्याद्री स्कूल की प्राचार्या दीपा मोरे उनके स्कूली बच्चों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुई थीं और बच्चों ने भी देसी बीजों के बारे में जाना था। यहां खेती को जंगली जानवरों से नुकसान होता है। विशेषकर, सुअर और बंदर फसल चर जाते हैं।

पशु तस्करी का केंद्र–पशु तस्करों का गढ़ बना कुशीनगर घर–घर कर रहा पिकअप की सवारी– 200 गाड़ियां चिन्हित

जिले की पुलिस ने कुशीनगर के 200 पिकअप की सूची भी तैयार की है। सूत्रों की माने तो कुशीनगर के तस्कर बिहार के सरगनाओं के साठ–गांठ कर उनके इशारे पर काम कर रहे हैं। अधिकतर लोग गाड़ियां खरीदकर सरगना को सौंप देते हैं। बताया जा रहा है कि प्रतिदिन गाड़ी मालिकों को करीब एक लाख रुपये का फायदा हो रहा है।

गोरखपुर। जिले की पुलिस लगातार पशु तस्करों पर कार्रवाई कर रही है। अधिकतर मामले में तस्कर और गाड़ियां कुशीनगर से संबंधित पकड़ी जा रही हैं। बिहार के भी तस्कर कुशीनगर के रास्ते ही प्रवेश कर प्रदेश के जिलों में धंधा चमका रहे हैं। सूत्रों की माने तो पशु तस्करी में मोटी कमाई देख कुशीनगर में घर–घर पिकअप खरीदी जा रही है। फायदा देख यहां के नौजवान भी इस धंधे में कूद रहे हैं।

जिले की पुलिस ने कुशीनगर के 200 पिकअप की सूची भी तैयार की है। सूत्रों की माने तो कुशीनगर के तस्कर बिहार के सरगनाओं के साठ–गांठ कर उनके इशारे पर काम कर रहे हैं। अधिकतर लोग गाड़ियां खरीदकर सरगना को सौंप देते हैं।

बताया जा रहा है कि प्रतिदिन गाड़ी मालिकों को करीब एक लाख रुपये का फायदा हो रहा है। सोमवार देर रात पुलिस ने घेराबंदी कर काली मंदिर के पास से कुशीनगर पडरौना के सिधुआ गांव निवासी गंगेश कुशवाहा व पडरौना इलाके के बसहिया शाहबाज को गिरफ्तार किया। चालक गंगेश के पास से 100–100 रुपये का नोट कुल 29 सौ रुपये मिला। तस्कर ने बताया था कि बिहार तक रास्ता तय करने में कहीं भी गाड़ी रुकती है तो फुटकर सौ की नोट पकड़ाकर बिना चेकिंग आगे बढ़ जाते हैं।

पिछले दिनों कुशीनगर का गिरफ्तार पशु तस्कर और जब्त की गई गाड़ी –

बिहार के संदिग्ध वाहन चिह्नित

सिविल लाइंस में पशु तस्करों ने 19 दिसंबर को तांडव मचाकर गोवंश उठा ले गए थे। सीसीटीवी कैमरे और सर्विलांस की मदद से पुलिस ने बिहार की चार संदिग्ध पिकअप की पहचान की है। पुलिस का मानना है कि बिहार के ही तस्कर जिले में आए थे। इनके साथ लाइनर भी आगे–आगे चल रहा था। सर्विलांस और सीसीटीवी कैमरे की मदद से उसकी पहचान कराई जा रही है। पुलिस का दावा है कि बहुत जल्द आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

तस्करों पर सख्ती बरतने का दिया निर्देश

डीआईजी आनंद कुलकर्णी ने पशु तस्करी को लेकर बुधवार को मंडल के सभी जिलों के एसपी के साथ बैठक की। इस दौरान कुशीनगर और देवरिया में बढ़ते पशु तस्करी के मामले को देखते हुए नाराजगी व्यक्त की। सभी एसपी से मिलकर पशु तस्करी के धंधे का रोकने के लिए सार्थक प्रयास करने के लिए कहा। बिहार बॉर्डर की तरफ जाने वाले रास्तों पर भी चेकिंग बढ़ाने का निर्देश दिया गया।

चिलुआताल अग्निकांड में झूलसी एक और महिला की भी मौत

आरोपी बेचन पत्नी के साथ जा चुका है जेल

गोरखपुर। चिलुआताल के दहला गांव में झुलसी एक और महिला की भी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी बेचन निषाद और उसकी पत्नी सोनम देवी उर्फ शांति को मंगलवार को ही गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया है।

चिलुआताल के दहला गांव में 14 दिसंबर की देर रात में आगजनी की घटना सामने आई थी। दो भाइयों के कमरे में बाहर से ताला लगाकर आरोपी बड़े भाई बेचन निषाद ने थिनर (तारपीन का तेल) डालकर कमरे में आग लगा दी थी। आग से बृजेश निषाद (32), पत्नी मधु (28), बच्ची रिद्धिमा (03), अरविंद निषाद (30) और उसकी पत्नी माला (25) वर्ष झुलस गए थे। इसमे आरोपी की पत्नी ने भी मदद की थी। आग से झुलसे परिवार के पांच सदस्यों में से नवविवाहिता माला (25), पति अरविंद निषाद (30) और जेठ बृजेश निषाद (32) की इलाज के दौरान पहले ही मौत हो गई थी। शुक्रवार को मधु ने भी दम तोड़ दिया। बच्ची रिद्धिमा का इलाज चल रहा है।

चिलुआताल के दहला गांव में 14 दिसंबर की देर रात में आगजनी की घटना सामने आई थी। दो भाइयों के कमरे में बाहर से ताला लगाकर आरोपी बड़े भाई बेचन निषाद ने थिनर (तारपीन का तेल) डालकर कमरे में आग लगा दी थी।

गोरखपुर एम्स–मेडिकल छात्रा हास्टल से अस्पताल आ रही थी

गार्ड ने की छेड़खानी, छात्रों का हंगामा

गोरखपुर। एक मेडिकल छात्रा नर्स के साथ हॉस्टल से अस्पताल की तरफ जा रही थी। आरोप है कि गेट नंबर चार के पास मौजूद गार्ड ने छेड़खानी कर दी। छात्रा के शोर मचाने पर कई जूनियर डॉक्टर एकत्र हो गए और हंगामा करने लगे। एम्स की एक मेडिकल छात्रा से छेड़खानी का मामला सामने आया है। आरोप है कि शुक्रवार रात करीब दस बजे हॉस्टल से अस्पताल की तरफ जाते समय गार्ड ने नशे की हालत में छात्रा से बदसलूकी की। घटना की जानकारी होने पर अन्य छात्र भी इकट्ठा हो गए और हंगामा शुरू कर दिया।

इसकी जानकारी होते ही एम्स थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने पीड़िता को बुलाकर तहरीर मांगी तो छात्रों ने इस पर एतराज जताते हुए पुलिस को स्वतरू केस दर्ज करने को कहा। एम्स पुलिस का कहना था कि तहरीर के आधार पर पुलिस केस दर्ज करेगी। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की रात में करीब 10 बजे एक मेडिकल छात्रा नर्स के साथ हॉस्टल से अस्पताल की तरफ जा रही थी। आरोप है कि गेट नंबर चार के पास मौजूद गार्ड ने छेड़खानी कर दी। छात्रा के शोर मचाने पर कई जूनियर डॉक्टर एकत्र हो गए और हंगामा करने लगे। कुछ छात्र कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर भी बैठ गए। उनकी मांग थी कि आरोपी गार्ड पर कार्रवाई की जाए। पहले तो एम्स के अफसरों ने खुद ही मामले को संभालने की कोशिश की, लेकिन बाद में पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर एम्स थानेदार संजय मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पीड़िता से तहरीर देने की बात कही तो छात्र उग्र हो गए। उनका कहना था कि उनकी शिकायत पर ही केस दर्ज कर कार्रवाई की जाए। फिर पुलिस ने उनसे ही प्रार्थना पत्र मांगा और कार्रवाई का आश्वासन देकर मामले को शांत कराया।

करीब आधे घंटे तक छात्र धरने पर बैठ रहे। बाद में उन्हें समझाकर हटाया गया। इस मामले में एम्स प्रशासन का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन वरिष्ठ अफसरों ने फोन नहीं उठाया। एम्स में छेड़खानी का आरोप लगाते हुए छात्र धरने पर बैठ गए थे। उन्हें समझाकर शांत कराया गया।

सीनियर छात्रों की हैवानियत

चौथी के छात्र से आठवीं के बच्चे कर रहे थे कुकर्म, तीन सप्ताह से चल रहा था ये सब

गोरखपुर। बच्चे ने रोते हुए घटना की जानकारी परिजनों को दिया। परिजन शुक्रवार को स्कूल पहुंच कर हंगामा किए। घटना की जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने उनको समझा–बुझाकर शांत किया। गोरखपुर के राजघाट इलाके के एक निजी स्कूल में कक्षा चार के छात्र से सीनियर छात्रों द्वारा हैवानियत का मामला प्रकाश में आया है। बच्चे की आपबीती सुन परिजन शुक्रवार को स्कूल पहुंच कर हंगामा किए। वह कक्षा सात व आठ के अज्ञात छात्रों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दिए। पुलिस इस मामले में पॉक्सो की धारा में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, रामगढ़ताल इलाके का रहने वाला 12 वर्षीय बालक राजघाट इलाके में स्थित एक निजी स्कूल में कक्षा चौथी का छात्र है। पिता का आरोप है कि स्कूल के ही कक्षा 7वीं और 8वीं में पढ़ने वाले पांच–छह छात्र पिछले 15–20 दिनों के साथ उसके साथ सामूहिक अप्राकृतिक दुष्कर्म कर रहे थे। वह इसकी जानकारी किसी को देने पर जानमाल की धमकी भी दे रखे थे। बच्चे ने रोते हुए घटना की जानकारी परिजनों को दिया। परिजन शुक्रवार को स्कूल पहुंच कर हंगामा किए। घटना की जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने उनको समझा–बुझाकर शांत किया। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि पीड़ित बच्चे के पिता की तहरीर पर पॉक्सो की धारा में केस दर्ज कर मामले की जांच कराई जा रही है।

युवती ने इंस्टाग्राम पर डाला ऐसा पोस्ट

30 मिनट में घर पहुंच गई पुलिस

गोरखपुर। युवती ने बताया कि उसने कीटनाशक दवा की खाली शीशी में पानी भरकर पीने की वीडियो केवल इंस्टाग्राम पर चर्चा में आने के लिए अपलोड किया था। गलती का अहसास होने पर पोस्ट हटा दिया। पुलिस ने काउंसिलिंग कर भविष्य में ऐसी गलती न करने की चेतावनी दी। कैंपियरगंज क्षेत्र में रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी ने शुक्रवार को कीटनाशक दवा पीकर आत्महत्या करने का वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। डीजीपी कार्यालय स्थित सोशल मीडिया सेंटर से सूचना भेजकर अलर्ट किया गया और आधे घंटे में युवती के घर पुलिस पहुंच गई। युवती ने बताया कि उसने कीटनाशक दवा की खाली शीशी में पानी भरकर पीने की वीडियो केवल इंस्टाग्राम पर चर्चा में आने के लिए अपलोड किया था। गलती का अहसास होने पर पोस्ट हटा दिया। पुलिस ने काउंसिलिंग कर भविष्य में ऐसी गलती न करने की चेतावनी दी। मेटा कंपनी के तरफ से पुलिस महानिदेशक मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेंटर को ई–मेल के जरिए अलर्ट किया गया। डीजीपी ने उच्चाधिकारियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद हरकत में आई कैंपियरगंज पुलिस ने युवती के घर का पता उसके मोबाइल के लोकेशन से प्राप्त कर लिया। महिला आरक्षी के साथ पहुंचे सब इंस्पेक्टर ने युवती से उसके परिजनों की उपस्थिति में बातचीत की। युवती ने बताया कि उसने कीटनाशक दवा की खाली शीशी में पानी भरकर पीने की वीडियो केवल इंस्टाग्राम पर इसलिए अपलोड की थी, ताकि उसकी पोस्ट वायरल हो जाए। काउंसलिंग के बाद युवती ने भविष्य में ऐसी गलती नहीं करने का आश्वासन दिया गया।

फंदे से लटककर दी जान

प्रेमिका से मिलने गया था घर

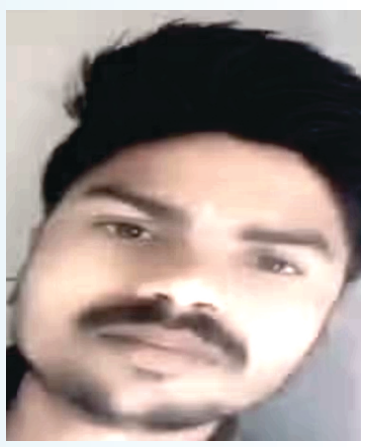

गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव में शादीशुदा प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक का शव घर के भीतर ही फांसी के फंदे से झूलता मिला। आशंका जताई जा रही है कि पकड़े जाने और बदनामी के डर से युवक ने खुद फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे के खिड़की का फाटक तोड़ अंदर प्रवेश किया और युवक को नीचे उतारा।

पुलिस उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज पहुंची, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्रेमिका तीन बच्चों की मां बताई जा रही है। पति रोजी रोटी के लिए बाहर गया है।

बदल रहा है गोरखपुर

सिविल लाइंस में बनेगा हाईटेक शापिंग काम्प्लेक्स, पार्किंग की सुविधा भी

गोरखपुर। सिविल लाइंस क्षेत्र के पार्क रोड पर राम प्रसाद बिस्मिल पार्क के बगल में 2000 वर्ग मीटर एरिया में पार्किंग के साथ चार मंजिला शापिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण होगा। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के तहत बनने वाले इस कॉम्प्लेक्स से निगम की आय में बढ़ोतरी होगी।

नगर निगम सिविल लाइंस में 27 करोड़ रुपये की लागत से शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और पार्किंग का निर्माण कराएगा। शासन ने इसका बजट स्वीकृत करते हुए सीएंडडीएस को कार्यदायी संस्था नामित किया है। बहुत जल्द इसकी टेंडर प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। सिविल लाइंस क्षेत्र के पार्क रोड पर राम प्रसाद बिस्मिल पार्क के बगल में 2000 वर्ग मीटर एरिया में पार्किंग के साथ चार मंजिला शापिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण होगा। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के तहत बनने वाले इस कॉम्प्लेक्स से निगम की आय में बढ़ोतरी होगी। कॉम्प्लेक्स में बेसमेंट के साथ ही तीन मंजिला बिल्डिंग में दुकानों के साथ ही हॉल की सुविधा होगी।

पार्किंग में 50 से अधिक छोटे–बड़े वाहन एक साथ खड़े हो सकेंगे। निर्माण की जिम्मेदारी जल निगम की सहयोगी संस्था सीएंडडीएस को दी गई है। इसके निर्माण से नगर निगम को दुकानों से अच्छी आय भी होगी। हालांकि, अभी तय नहीं हो सका है कि दुकानों को नगर निगम किराये पर देगा या फिर इसकी बिक्री होगी।

ये मंत्री जी का घर है यहां से अतिक्रमण हटाना मना है...

आम जनता के घरों के सामने कर दी तोड़फोड़

बागपत। नई बस्ती में सड़क निर्माण के लिए बुलडोजर चलवाकर मकानों के आगे बनाए चबूतरों के साथ ही सीढ़ियों को तोड़ा। मगर राज्यमंत्री केपी मलिक के मकान के बाहर किया गया अतिक्रमण नहीं हटाया गया। सरकारी बुलडोजर किस तरह अतिक्रमण हटाने के लिए आम लोगों के घरों के आगे चलता है और नेताओं के घरों के आगे थम जाता है। इसका उदाहरण बड़ौत की नई बस्ती में वन विभाग के राज्यमंत्री केपी मलिक के मकान के आगे सड़क पर चबूतरा बनाकर रखा जनरेटर और आसपास के मकानों के तोड़े गए सीढ़ियां व चबूतरे हैं। बड़ौत नगर पालिका प्रशासन ने नई बस्ती में सड़क निर्माण के लिए बुलडोजर चलवाकर मकानों के आगे बनाए गए चबूतरों के साथ ही दरवाजों के सामने से सीढ़ियों को तोड़ा। मगर, पालिका प्रशासन व अन्य अधिकारी राज्यमंत्री केपी मलिक के मकान के बाहर पूरी तरह से सड़क पर बने चबूतरे पर रखे जनरेटर को हटवाने में नाकाम साबित हो गए। अभी भी अतिक्रमण के रूप में बने चबूतरे पर राज्यमंत्री केपी मलिक का जनरेटर सड़क पर रखा हुआ है। यही नहीं, घर के आगे सजावट के लिए मंत्री ने कई पेड़ भी सड़क पर लगवा दिए जो न छायादार है और न उनका किसी को फायदा हो रहा है। वहां के लोग प्रशासन पर पक्षपात पूर्ण कार्रवाई होने का आरोप तक लगा रहे हैं।

ये बोले राज्यमंत्री

किसी तरह का कोई अतिक्रमण नहीं कर रखा है। जितना अतिक्रमण था, वह स्वयं हटवा दिया गया था। अगर वहां सड़क निर्माण होगा तो जनरेटर भी पहले हटवा दिया जाएगा। – केपी मलिक, राज्यमंत्री।

ईओ ने ये कहा

नई बस्ती में सड़क निर्माण होना है। इसलिए सड़क पर हुए अतिक्रमण को हटवाया गया है। राज्यमंत्री केपी मलिक के मकान के बाहर सड़क पर रखे जनरेटर व अतिक्रमण को सड़क निर्माण के दौरान हटवा दिया जाएगा। – मनोज रस्तोगी, ईओ बड़ौत

संभल, वाराणसी के बाद जौनपुर में मंदिर विवाद

शाही पुल की दीवार के अंदर मां काली की मूर्ति होने का दावा

जौनपुर। जौनपुर में शाही पुल की दीवार के अंदर मां काली की मूर्ति होने का दावा किया जा रहा है। इसे लेकर श्रद्धालुओं में आक्रोश है। श्रद्धालुओं ने हनुमान घाट स्थित स्थल पर पूजा की। साथ ही दो दिन का अल्टीमेटम दिया। संभल, वाराणसी के बाद अब जौनपुर में मां काली की मूर्ति को दीवार से बंद करने का मामला सामने आया है। सोमवार को हिंदू पक्ष के लोग शाही पुल के नीचे गुंबद के पास पहुंचे और मां काली की मूर्ति को दीवार से बंद करने का आरोप लगाया। जिला प्रशासन को दो दिन में दीवार गिराने का अल्टीमेटम दिया।

हालांकि, सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह ने मामले से अनभिज्ञता जताई है। उनका कहना है कि इस संबंध में पुरातत्व विभाग से बात की जाएगी कि यहां मंदिर था या नहीं। ऐसे ही दीवार कोई कैसे तोड़ सकता है।

गोमती नदी के ऊपर शाही पुल बना है। पुल के नीचे हनुमान घाट स्थित गुंबद स्थल पर स्वामी अंबुजानंद के नेतृत्व में 25–30 महिला–पुरुष पहुंच गए और यहां पर मां काली का मंदिर होने की बात कहते हुए पूजा की। इस दौरान स्वामी अंबुजानंद ने बताया कि शाही पुल के गुंबद के नीचे मां काली का स्थान है।

लंबे समय से लोग यहां पर पूजा–पाठ करते आ रहे हैं। उन्होंने मां काली का मंदिर 12वीं सदी का होने का दावा किया। आरोप लगाया कि कुछ साल पहले प्रशासन ने इसको बंद करा दिया था। मांग की कि दीवार को तोड़ा जाए, तभी पता चल सकेगा कि अंदर देवी की मूर्ति है या नहीं।

लखनऊ में सीजन की पहली बारिश

आधी रात से रुक–रुककर हो रही बूंदाबांदी, तेज हवाओं के साथ अगले दो दिन पड़ेंगी बौछारें

—लखनऊ,संवाददाता

लखनऊ में देर रात से मौसम में बदल गया। आधी रात के बाद हल्की बारिश शुरू हो गई। सुबह से भी रुक–रुककर बारिश हो रही है। बादल छाए हुए है और हवाएं भी चल रही हैं। सीजन की पहली बारिश के बाद ठिठुरन का अहसास हुआ।

मौसम विभाग की मानें तो अगले दो दिन ऐसा ही मौसम बना रहेगा। कहीं–कहीं बौछारें पड़ेंगी। शहर में धुंध और कोहरे का असर भी सुबह बना रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री रहने की संभावना है।

@ बारिश की वजह से लखनऊ शहर का मौसम बदल गया है। ठिठुरन का भी अहसास हुआ।

पारे में उछाल का अनुमान

मंगलवार को बादलों की मौजूदगी और बारिश की वजह से दिल के पारे में गिरावट के साथ हवा में गलन भी रही। हालांकि रात के पारे में उछाल का अनुमान है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मंगलवार को हुई छिटपुट बारिश के बाद फिलहाल मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। इस बीच प्रदेश के विभिन्न इलाकों में बादलों की आवाजही बनी रहेगी।

मध्यम बारिश की संभावना

दिन का तापमान घटेगा और रात के पारे में उछाल दर्ज होगा। उन्होंने बताया कि नए विकसित हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से 26 से 28 दिसंबर के बीच हल्के से मध्यम बारिश की संभावना है। इसके बाद दिन व रात के पारे में गिरावट के साथ सर्दी बढ़ेगी।

सीढ़ियां... सुरंग और कमरे, बावड़ी की बुलडोजर से खोदाई में आई ये अड़चन, अब प्रशासन ने लिया बड़ा फैसला

संभल। लक्ष्मण गंज में जमीन के नीचे दबे ऐतिहासिक धरोहरों को उजागर करने का काम जारी है। चंदौसी में बावड़ी की तलाश भूमिगत बड़ी इमारत का रास्ता खोल रही है। अब खोदाई में सीढ़ियां, सुरंग जैसे गलियारों के अलावा कमरे भी नजर आए हैं। संभल के चंदौसी के मोहल्ला लक्ष्मण गंज में बांकेबिहारी मंदिर के पास खाली प्लॉट में मिली बावड़ी की चौथे दिन भी खोदाई जारी है। अब तक तीन मंजिला बावड़ी की इमारत में नीचे जाने वाली सीढ़ियां नजर आने लगी हैं। खोदाई के लिए नगर पालिका के 50 कर्मचारी लगे हुए हैं। पूरे मामले में प्रशासन नजर बनाए हुए हैं। जमीन के नीचे बावड़ी होने की जानकारी के बाद आसपास के कई गांवों के लोग मौके पर पहुंचने लगे हैं।

लक्ष्मण गंज में जमीन के नीचे दबे ऐतिहासिक धरोहरों को उजागर करने का काम जारी है। नगर पालिका ने पहले जेसीबी से खोदाई करवाई। गहराई बढ़ने के साथ मशीन काम नहीं कर पाई तो खोदाई का जिम्मा नगर पालिका के कर्मियों को सौंपा गया। खुदाई के दौरान एक ऐतिहासिक ढांचा सामने आने के बाद इसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने लगे हैं। पुरानी बावड़ी मिलने से स्थानीय लोग और प्रशासनिक अधिकारी भी उत्साहित हैं।

चंदौसी में बावड़ी की खोदाई –

इससे पहले, मुस्लिम बहुल मोहल्ला लक्ष्मणगंज में बावड़ी की तलाश में तीसरे दिन सोमवार को भी खोदाई की गई। इस दौरान सीढ़ियां सामने आईं। अब तक सुरंग जैसे कुछ गलियारे भी सामने आ चुके हैं। कमरों जैसी आकृति भी मिलने से इस स्थान पर भूमिगत विशाल इमारत की मौजूदगी के संकेत मिल रहे हैं। लक्ष्मणगंज में 17 दिसंबर को खंडहरनुमा प्राचीन मंदिर मिला था। इसे 150 वर्ष पुराना बांकेबिहारी मंदिर बताया गया था। शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में सनातन सेवक संघ के पदाधिकारी ने डीएम को प्रार्थनापत्र देकर लक्ष्मणगंज के ही एक प्लॉट में प्राचीन बावड़ी होने का दावा किया था।

डीएम के आदेश पर तहसील और पालिका की टीम ने मौके पर पहुंच कर बताई गई जमीन पर खोदाई शुरू कराई। एक घंटे की खोदाई में दीवारें दिखने लगीं तो नीचे बावड़ी होने की बात को मजबूती मिली। इसके बाद रविवार को दूसरे दिन खोदाई में कमरों जैसी आकृति मिली। लंबा पक्का गलियारा भी सामने आया, जिससे जुड़े लंबे रास्ते को सुरंग की राह माना जा रहा है। सोमवार की खोदाई में सीढ़िया नजर आने पर उस जगह जेसीबी के स्थान पर श्रमिकों को लगाया गया। मौके पर मौजूद अधिकारी ने कहा कि जेसीबी को मिट्टी उठाने तथा अन्य स्थान पर खोदाई में लगाया गया है। सीढ़ियों व इससे जुड़े प्राचीन भवन के मूल स्ट्रक्चर को नुकसान न पहुंचे, इसलिए इस स्थान पर श्रमिकों से खुदाई कराई जा रही है। शाम को अंधेरा होने पर खोदाई रोक दी गई। ईओ कृष्ण कुमार सोनकर ने बताया कि आज मिलीं सीढ़ी बावड़ी में पानी के स्रोत तक जाने का रास्ता हैं या इसके आगे कोई भवन है, और खोदाई से स्पष्ट होगा।

राजपरिवार अपने व सैनिकों के लिए प्रयोग करता था यह परिसर

यह स्पष्ट हो चुका है कि पुराने दौर में यह स्थान बिलारी की सहसपुर स्टेट की मिलकियत थी। इस संपत्ति पर काबिज हुए स्टेट परिवार की रिश्तेदार शिप्रा गेरा ने मीडिया को बताया कि राजशाही के दौर में इस स्थान का प्रयोग सैनिकों के लिए किया जाता था। सहसपुर (बिलारी) से अब बदायूं जिले में आने वाले स्टेट के नियंत्रण वाले गांवों तक जाते समय सैनिक चंदौसी में रुकते थे। राज परिवार भी अपनी यात्रा के बीच यहां रुकता था। गर्मी में तपिश से बचने के लिए बावड़ी के आसपास के इस भूमिगत परिसर को उठने–बैठने के लिए इस्तेमाल करते थे। तब सैनिक यहां बने गलियारों में मौजूद रहते थे।

नग्न कर पीटा पेशाब पिलाया...

थूक चटवाया और वीडियो बनाया, बस्ती में बर्बरता की कहानीय आहत नाबालिग ने दी जान

गोरखपुर। बस्ती के कप्तानगंज में जन्मदिन पार्टी में बुलाकर अमानवीय हरकत करने से आहत एक किशोर ने सोमवार को फंदे से लटक कर जान दे दी। आरोप है कि पार्टी में मौजूद मनबढ़ों ने कपड़े उतरवाकर किशोर को पीटा और पेशाब पिलाया। इसका वीडियो भी बना लिया। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले से रूह कंपाने वाली खबर सामने आई है। बस्ती में 17 साल के एक दलित नाबालिग के साथ बर्बरता की हदें पार कर दी गई। उसे घर से बर्थ–डे पार्टी में बुलाया था। आरोपियों ने उसे वहां नग्न करके पीटा। पेशाब पिलाते हुए वीडियो बनाया। आरोपियों ने मारपीट कर आपत्तिजनक वीडियो बनाया। थूककर चटाने का भी आरोप है। पीड़ित परिवार ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। इससे आहत पीड़ित किशोर ने खुदकुशी कर ली। पीड़ित परिवार लड़के के शव लेकर थाने पहुंचा, फिर पुलिस ने अनसुना कर दिया। गुस्साए परिजन एसपी ऑफिस ही शव लेकर पहुंच गए।

मनबढ़ों ने निर्वस्त्र कर पीटा, वीडियो बनाया... क्षुब्ध किशोर ने की खुदकुशी

जानकारी के अनुसार, बस्ती के कप्तानगंज में जन्मदिन पार्टी में बुलाकर अमानवीय हरकत करने से आहत एक किशोर ने सोमवार को फंदे से लटक कर जान दे दी। आरोप है कि पार्टी में मौजूद मनबढ़ों ने कपड़े उतरवाकर किशोर को पीटा और पेशाब पिलाया। इसका वीडियो भी बना लिया। किशोर ने जब उनसे वीडियो डिलीट करने को कहा तो आरोपियों ने थूककर उसे चटाया। किशोर के मामा की तहरीर पर पुलिस ने मारपीट, हिंसा के जरिए अपमानित करने और आत्महत्या के लिए मजबूर करने की धारा में चार आरोपियों पर केस दर्ज कर तीन को गिरफ्तार कर लिया है।

संतकबीरनगर जिले के बेलहर कला इलाके का किशोर कप्तानगंज क्षेत्र में ननिहाल में रह कर पढ़ाई करता था। वह दसवीं का छात्र था। उसके मामा के अनुसार, 20 दिसंबर की रात जन्मदिन पार्टी के बहाने गांव के कुछ युवकों ने उसे बुलाया था। वहां मनबढ़ों ने कपड़े उतरवाकर उसकी पिटाई की, पेशाब भी पिलाया और इसका वीडियो बना लिया। किसी तरह बचकर किशोर घर पहुंचा। इसके बाद परिजनों के साथ थाने जाकर शिकायत की। पुलिस ने अगले दिन दो आरोपियों को पकड़ा पर शाम को छोड़ दिया।

बिहार से आकर लखनऊ में दहशत फैलने का दुस्साहस

यूपी पुलिस ने दो को किया ढेर

लखनऊ। बिहार से आकर लखनऊ में दहशत फैलने का दुस्साहस करने वाले दो बदमाशों को यूपी पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। इससे पहले तीन गिरफ्तार हो चुके हैं। राजधानी लखनऊ में बैंक लॉकर काटकर करोड़ों का माल करके सनसनी फैलाने वाले बदमाशों का एक बार फिर पुलिस से सामना हुआ। बिहारी बदमाशों ने यूपी पुलिस से पंगा लेने का दुस्साहस किया। नतीजा एक बदमाश ढेर हो गया। हालांकि अंधेरे का फायदा उठाकर उसका साथी भागने में सफल हो गया। पुलिस अन्य फरार बदमाशों की तलाश कर रही है। अब तक तीन बदमाश गिरफ्तार किए जा चुके हैं। जबकि एक ढेर हो गया। वहीं इस गिरोह में शामिल दो बदमाश बिहार भागने की कोशिश कर रहे थे। इसमें एक सफल हो गया है। जबकि, दूसरा पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो गया है। मृत बदमाश की पहचान सन्नीदयाल निवासी अमलिया थाना असरगंज जनपद मुंगेर प्रदेश बिहार के रूप में हुई है। यह भुठभेड़ मंगलवार की तड़के गाजीपुर पुलिस से बक्सर सीमा पर हुई है। एसपी के मुताबिक मृत बदमाश पर 25 हजार रुपये का इनाम था।

पेट में गोली लगने से घायल

मामला चिनहट थाना क्षेत्र के मटियारी इलाके स्थिति इंडियन ओवरसीज बैंक का है। 21 दिसंबर की देर रात चोरों ने बैंक में घुसकर 42 लॉकर काटे। करोड़ों के गहने और नकदी पार कर दी। चोरी करने वाले दो बदमाशों का सोमवार रात करीब 12रू30 बजे किसान पथ पर पुलिस से सामना हुआ। इस दौरान कार सवार बदमाश बिहार के असरगंज निवासी सोबिंद कुमार के पेट में गोली लगने से घायल हो गया। जबकि, मौके से उसका एक साथी भाग निकला। घायल बदमाश सोबिंद को अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस को देख कार सवार चोर भागने लगे

डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि फरार चोरों की तलाश में पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम लगी थी। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि एक कार सवार दो चोर चिनहट स्थित किसान पथ के पास मौजूद हैं। पुलिस टीम जैसे ही वहां पहुंची कार सवार चोर वहां से भागने लगे। खुद को पुलिस से घिरता देख चोरों ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। जवाब में पुलिस को भी फायरिंग करनी पड़ी। गोली चोर सोबिंद कुमार के लगी, जबकि उसका साथी वहां से भाग खड़ा हुआ। मुठभेड़ की सूचना पर डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह सहित अन्य अधिकारी भी पहुंच गए।

पुलिस टीम भागे हुए चोर की तलाश में जुटी

डीसीपी पूर्वी ने बताया कि घायल सोबिंद को पहले सीएचसी मल्हौर और फिर वहां से राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां उसकी मौत हो गई। चोरों की कार से काफी मात्रा में चोरी के किए जेवरात मिले हैं। अभी उनका वजन व मूल्य का सही आंकलन नहीं हो पाया है। पुलिस की टीम भागे हुए चोर की तलाश में जुटी है।

कब क्या हुआ

शनिवार रात 12:35 बजे चोर बैंक के अंदर घुसे। बैंक के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से इसका पता चला।

रविवार सुबह 4:00 बजे वे वारदात को अंजाम देकर निकल गए।

दोपहर 1:00 बजे पुलिस को चोरी की सूचना मिली।

दोपहर 1:30 बजे पुलिस के अधिकारी टीम के साथ पहुंचे।

दोपहर 2:20 बजे डॉग स्क्वॉयड मौके पर पहुंचा।

शाम 4:30 बजे फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

शाम 6:30 बजे छानबीन कर पुलिस टीम वापस लौटी।

बेहद शातिर है गिरोह

चिनहट के मटियारी स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक के लॉकर काट कर करोड़ों रुपये के गहने और कीमती सामान पार करने वाला गिरोह बेहद शातिर है।

गिरोह ने वारदात अंजाम देने से पहले चार दिन तक उसका खाका तैयार किया था। पर, उनकी तीन फोन कॉल ने पुलिस को गिरोह तक पहुंचा दिया।

एक पुलिस अफसर के मुताबिक, दीवार में सेंध लगाने के बाद चोर दो टोलियों में बंट गए। एक टोली बैंक के अंदर दाखिल हुई, जबकि दूसरी बाहर की हरकतों पर नजर गड़ाए हुए थी। एक–दो ऐसे भी रहे, जो एक–दो बार भीतर जाकर वापस बाहर आए। पुलिस ने तफ्तीश के दौरान बैंक के भीतर और बाहर की सीसीटीवी फुटेज देखी।

चोर फोन पर बात करता दिखा

एक फुटेज में बैंक के भीतर हेलमेट लगाया चोर फोन पर बात करता दिखा। इससे पुलिस को सुराग लगा। जब बाहर की फुटेज देखी, तो उसमें भी उसी समय पर एक चोर फोन पर बात करते दिखा। इससे साफ हो गया कि दोनों आपस में बात कर रहे थे।

कितने लश्वकर टूटे...और कितना समय लगेगा

बैंक के अंदर दाखिल हुए चोरों ने करीब साढ़े तीन घंटे तक लॉकरों को काटा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस दौरान अंदर और बाहर की टोली में शामिल चोरों ने तीन बार फोन पर बात की थी। पकड़े गए आरोपियों ने कुबूला कि, कितने लॉकर टूटे, और कितना समय लगेगा, इसको लेकर वे बात कर रहे थे। पता चला कि जो बैंक के अंदर मोबाइल पर बात कर रहा था, वह पुलिस मुठभेड़ में घायल बिहार के मुंगेर का अरविंद कुमार था।

आसान हो गई पुलिस की राह

मोबाइल पर बात करती मिली सीसीटीवी फुटेज ने पुलिस की राह आसान कर दी। पुलिस को बस वहां सक्रिय मोबाइल नंबरों का डाटा निकलवाना था। डाटा निकलवाते ही पुलिस के हाथ उनके मोबाइल नंबर लग गए। ये नंबर वारदात के बाद भी ऑन रहे इससे इनकी लोकेशन ट्रेस करने में आसानी हुई।

इससे 28 घंटों में ही वारदात का खुलासा हो गया। इन बदमाशों ने चिनहट थाना क्षेत्र स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक में रविवार की तड़के 4:00 वारदात को अंजाम दिया।

डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि ओवरसीज बैंक में चोरी करने वालों की तलाश के लिए पुलिस लौलाई के जल सेतु के पास चेकिंग कर रही थी। इसी समय वहां से दो कारें निकल रही थीं। पुलिस ने उन्हें रुकने के लिए कहा। इस पर कार सवार युवक ने पुलिस पर तमंचे से फायरिंग झोंक दी।

तीन पहले हो चुके गिरफ्तार

एक दिन पहले सोमवार की तड़के भी मुठभेड़ में तीन आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें से एक के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया था। जिसका उपचार कराया गया।

पहले भी हो चुकीं ऐसी घटनाएं

26 दिसंबर 2023: मड़ियांव के छठामील इलाके में पंजाब नेशनल बैंक में सेंध लगाकर चोरी का प्रयास।

3 अप्रैल 2023: सुशांत गोल्फ सिटी के खुर्दही बाजार में लगे एसबीआई के एटीएम को काटकर चोरों ने 39.58 लाख रुपये पार कर दिए।

7 फरवरी 2021: चिनहट के मटियारी इलाके में केनरा बैंक का एटीएम काट कर 8.40 लाख रुपये चोरी।

घरों में सब्जी पहुंचा रही लड़की को बेटी मानकर कराई शादी

नोएडा की इस सोसायटी ने पेश की मिसाल

संवाददाता, नोएडा। सेक्टर–121 स्थित क्लियो काउंटी सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसायटी ने एक युवती की शादी कराकर मिसाल पेश की है। पांच वर्ष से सोसायटी में घर–घर सब्जी पहुंचा रही युवती को लोगों ने बेटी माना। सोसायटी के लोगों ने उठाया शादी का खर्चा सोसायटी के क्लब हाउस में शादी कराई और घरेलू उपयोग का पूरा सामान दहेज के रूप में दिया। शादी का सारा खर्च सोसायटी के लोगों ने उठाया।

नोएडा की क्लियो काउंटी सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसायटी ने एक अनोखी मिसाल पेश की है। सोसायटी ने पांच साल से घर–घर सब्जी पहुंचाने वाली एक युवती की शादी कराई है। सोसायटी के लोगों ने युवती को अपनी बेटी माना और उसका विवाह धूमधाम से संपन्न कराया। शादी में वर–वधू पक्ष के लोग और सोसायटी के परिवारों के कुल 200 से अधिक लोग शामिल हुए।

कोरोना काल से सब्जी बेचने का काम कर रहे सतपाल

बता दें क्लियो काउंटी सोसायटी के बाहर दिल्ली के जैतपुर निवासी सतपाल कोरोना काल से सब्जी बेचने का कार्य कर रहे हैं। उनके चार बेटियां और दो बेटे हैं। तीन बेटियों की शादी वह कर चुके हैं। सबसे छोटी बेटी पूजा की शादी क्लियो काउंटी सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों ने की।

काम के प्रति निष्ठा देखकर लोगों ने उसको बेटी माना

सोसायटी के सदस्य आरके अरोडा ने बताया कि कोरोना काल के दौरान सभी लोग अपने घर पर ही सब्जी मंगाते थे। फोन करने पर पूजा सभी के घर पर सब्जी पहुंचाने के लिए आती थी।

एक फोन पर बिना देरी के पहुंचती थी घर

उल्लेखनीय है कि कोरोना काल के दौरान उसने सोसायटी के लोगों की काफी मदद की। अगर कोई घर पर अकेला है तो उसके फोन करने पर बिना देरी के पूजा सब्जी पहुंचाती थी। उसके कार्य के प्रति निष्ठा और जिम्मेदारी को मानते हुए सोसायटी के लोगों ने उसको बेटी माना।

रोहित से हुई पूजा की शादी

परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से उसकी शादी की जिम्मेदारी सोसायटी के लोगों ने उठाई। सदस्य अनिल पालीवाल ने बताया कि रोहित नाम के युवक से पूजा की शादी की गई है। रोहित पहले सुरक्षाकर्मी की नौकरी करता था, लेकिन अब एक कंपनी में प्राइवेट नौकरी करता है।

वर–वधू पक्ष के लोग हुए शामिल

सोसायटी के क्लब हाउस में शादी हुई। जिसमें वर–वधू के पक्ष समेत सीनियर सिटीजन सोसायटी के परिवारों के कुल 200 से अधिक लोग शामिल हुए। खाने–पीने का इंतजाम भी सोसायटी के सदस्यों को किया।

धूमधाम से शादी कराकर विदा किया ससुराल

सोसायटी के लोगों ने घरेलू उपयोग का सभी जरूरी सामान दहेज के रूप में दिया। धूमधाम से दोनों की शादी कराकर ससुराल को विदा किया गया। इस दौरान एमएस अग्रवाल, अश्विनी लांबा, दिनेश शर्मा, प्रमोद गुप्ता, आरसी शर्मा और सोसायटी के अन्य लोग मौजूद रहे।

वाराणसी में विरोध के बीच शुरू हुआ रोपवे के आखिरी स्टेशन का निर्माण, कई दुकानें की गईं ध्वस्त

संवाददाता, वाराणसी। रोपवे के पांचवें स्टेशन के निर्माण में बाधा बनी गोदौलिया की दुकानों को सोमवार को विकास प्राधिकरण की टीम ने ध्वस्त करने की कार्रवाई की। इससे स्टेशन नंबर–पांच (गोदौलिया) और टावर नंबर–29 की बाधा दूर हो गई। यह रोपवे का अंतिम टावर और स्टेशन है। साथ ही कार्यदाई एजेंसी ने रोपवे के निर्माण को शुरू कर दिया। वीडीए की टीम सचिव वेद प्रकाश मिश्रा के नेतृत्व में रोपवे निर्माण से जुड़ी कंपनी की प्रमुख पूजा मिश्रा के साथ दोपहर में गोदौलिया पहुंची। बुलडोजर देखते ही व्यापारियों में खलबली मच गई। जमीन के स्वामित्व का दावा करने वाले आशीष जायसवाल ने विरोध जताया।

आशीष का कहना था कि उन्होंने विकास प्राधिकरण से जमीन से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए एक हफ्ते का समय मांगा था। इसके बावजूद प्राधिकरण ने अचानक बुलडोजर चला रहा है। आशीष अपनी जमीन होने का दावा करते हुए बुलडोजर के सामने खड़े होकर कार्रवाई रोकने की कोशिश की। पुलिस ने आशीष और उनके साथियों को बलपूर्वक हटा दिया। विरोध के चलते कार्रवाई कुछ देर तक बाधित रही। आशीष ने जिलाधिकारी और विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं हो सकी। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने आशीष को जिलाधिकारी से संपर्क करने की सलाह दी। इसके बाद कुछ दुकानों को ध्वस्त कर काम चालू कर दिया गया।

विकास प्राधिकरण सचिव, वेदप्रकाश मिश्रा ने बताया

रोप–वे के निर्माण के एलाइनमेन्ट में यदि कोई भूमि किसी निजी व्यक्ति की आती है तो संबंधित भू–स्वामी को भूमि और निर्माण की क्षतिपूर्ति दिए जाने का प्रविधान है। इस संबंध में सभी भू–स्वामी को सूचना दी गई है कि कभी भी वांछित अभिलेख प्राधिकरणध्तहसील कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। अभिलेखों का विधिक परीक्षण कराते हुए नियमानुसार क्षतिपूर्ति दी जाएगी।

इस देश में भागने की फिराक में थे आतंकी! पहले भी आतंकियों का सुरक्षित ठिकाना रहा ये इलाका

पीलीभीत। पुलिस इस बात की जांच में जुट गई है कि आतंकियों ने छिपने के लिए पीलीभीत को ही क्यों चुना, कहां रुके थे। चूंकि पीलीभीत पहले भी खालिस्तानी आतंकियों का गढ़ रहा है। आतंकी इस देश में भागने की फिराक में थे। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में सोमवार सुबह हुए एनकाउंटर की जांच जारी है। सोमवार को खालिस्तान समर्थक तीन आतंकियों को पंजाब और पीलीभीत पुलिस ने साझा कार्रवाई में मार गिराया था। अब पुलिस इस बात की जांच में जुट गई है कि आतंकियों ने छिपने के लिए पीलीभीत को ही क्यों चुना, कहां रुके थे। चूंकि पीलीभीत पहले भी खालिस्तानी आतंकियों का गढ़ रहा है। करीब 33 साल पहले 1991 में भी एक ही दिन अलग–अलग तीन मुठभेड़ों में 10 खालिस्तानी आतंकी मारे गए थे। सूत्रों की मानें तो सोमवार को मारे गए तीनों आतंकी दो दिन पहले ही यहां आ गए थे। पीलीभीत के पूरनपुर क्षेत्र के सिख बहुल इलाके में रह रहे थे। चूंकि नेपाल की सीमा भी यहां से सटी हुई है। ऐसे में आशंका है कि ये लोग नेपाल भागने की फिराक में थे।

खुली नेपाल सीमा से तराई का पीलीभीत जिला बन रहा अपराधियों की पनाहगाह

नेपाल की खुली सीमा की वजह से वर्तमान में तराई का शांत माना जाने वाला इलाका पीलीभीत आतंकियों और कुख्यात अपराधियों की शरणगाह बनता जा रहा है। जिले में कई स्थानों पर नेपाल की सीमा लगती है। वहां लोगों का आवागमन रहता है। ऐसे में कई बार इस तरह की गतिविधियां सामने आई हैं। कुछ माह पहले गैंगस्टर की हत्या करने वाले अपराधी भी यहां पकड़े जा चुके हैं। मुख्य रूप से पूरनपुर और कलीनगर क्षेत्र से नेपाल की सीमा जुड़ती है। जिले में भारतीय सीमा के 17 नंबर पिलर से 28 तक करीब 40 किलोमीटर नेपाल सीमा है।

कई स्थानों पर खुला है आवागमन

कई स्थानों पर यह सीमा पूरी तरह खुली है। सिर्फ सीमा पिलर ही लगे हैं। कच्चे रास्ते और जंगल के बीहड़ इलाके भी हैं। आवागमन भी काफी सुगम है। इसके अलावा उत्तराखंड राज्य की सीमा भी जिले से सटी है। यही वजह है कि जिले में कुख्यात अपराधियों और आतंकियों की आवाजाही रहती है। मार्च 2024 में जम्मू के गैंगस्टर राजेश डोगरा की हत्या के बाद पांच शूटरों ने पूरनपुर के शाहगढ़ इलाके में स्थित एक घर में आकर शरण ली थी।

पीलीभीत में 33 साल पहले भी हुई थी मुठभेड़... मारे गए थे 10 आतंकी

33 साल बाद एक बाद फिर से पीलीभीत जिला खालिस्तानी आतंकियों का कब्रगाह बना। 1991 में भी पीलीभीत में 16 घंटे में हुईं तीन अलग–अलग मुठभेड़ों में पुलिस ने पंजाब के 10 खतरनाक आतंकवादियों को मार गिराया था। इनमें खालिस्तानी लिबरेशन आर्मी के स्वयंभू कमांडर बलजीत सिंह श्पप्पूश्श और लेफ्टिनेंट कमांडर जसवंत सिंह भी शामिल थे। मुठभेड़ में सब इंस्पेक्टर हरपाल सिंह भी घायल हुए थे। बता दें सोमवार तड़के हुई मुठभेड़ में भी पंजाब के तीन आतंकी मारे गए हैं।

दरअसल, पीलीभीत, शाहजहांपुर और लखीमपुर खीरी में आतंकवाद की जड़ें पुरानी हैं। तराई का यह इलाका पहले भी आतंकवादियों का सुरक्षित ठिकाना रहा है। आतंकियों ने कई आम लोगों की हत्या की तो सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में कई आतंकियों को ढेर भी किया।

12–13 जुलाई 1991 को होक के जंगल में छिपे आतंकियों को पुलिस ने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा तो फायरिंग शुरू कर दी थी। जवाबी फायरिंग में चार आतंकवादी मारे गए थे।

विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम, कुंभ मेले, के लिए रेलवे की तैयारियां जोरों पर हैं. यह विशाल धार्मिक आयोजन 12 जनवरी से प्रयागराज में शुरू होगा, जिसमें 30 करोड़ से 50 करोड़ श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कुंभ मेला 2025 के लिए भारतीय रेलवे रिकॉर्ड संख्या में ट्रेनें और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैयार है. रेलवे के अनुसार, इस बार कुल 992 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा, और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए 933 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. यह पहल श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा और बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए की गई है।

महाकुम्भ

महाकुंभ में बड़े पैमाने पर इंतजाम...

आर्थिक नजरिये से भी अहम है महाकुंभ 2025

अपने बैंक अकाउंट को...

मलाइका अरोड़ां को शादीशुदा महिलाओं के बारे में नहीं पसंद आती ये बात ? दे दी सलाह

शादीशुदा महिलाओं को मलाइका अरोड़ा की सलाह उनके फाइनेंस को लेकर अभिनेत्री ने कही ये बात मलाइका अरोड़ा ब्रेकअप को लेकर चर्चा में रहीं

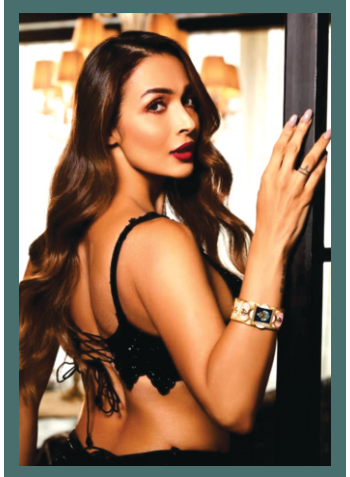

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड की एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जो किसी न किसी कारणवश चर्चा में आ ही जाती हैं। अर्जुन कपूर से छह साल के रिलेशन के बाद अचानक ही ये खबर आई कि एक्ट्रेस और सिंघम अगेन के श्डेंजर लंकाश अलग हो गए हैं। खुद अर्जुन कपूर भी जब रोहित शेट्टी की फिल्म श्सिंघम अगेनश का प्रमोशन कर रहे थे, तो उन्होंने खुद को सिंगल बताया था।

मलाइका अरोड़ा अर्जुन कपूर से ब्रेकअप की खबरों के बीच एक मिस्ट्रीमैन का हाथ थामें रेस्टोरेंट से बाहर निकलती दिखीं थीं, जिसके बाद अपनी लव लाइफ को लेकर फिर चर्चा में आ गई थीं। हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने शादीशुदा महिलाओं की जिंदगी और उनके फाइनेंस को लेकर बात की है।

> मलाइका अरोड़ा फिल्मी दुनिया से भले ही दूर रहती हों लेकिन वह लाइमलाइट में तो हमेशा बनी रहती हैं। बीते दिनों एक्ट्रेस अर्जुन कपूर से ब्रेकअप को लेकर चर्चा में आई थीं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने शादीशुदा महिलाओं को एक ऐसी सलाह दी है जो उनकी जिंदगी में काफी मददगार साबित हो सकती है। एक्ट्रेस ने कहा कहा चलिए जानते हैं–

जो तेरा है वो तेरा और जो मेरा है– मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा फिल्मों में स्पेशल सॉन्ग करने के साथ–साथ एक एंटरप्रेन्योर भी हैं। वह मुंबई में खुद को योगा स्टूडियो चलाती हैं। इसके अलावा उन्होंने बेटे अरहान के साथ मिलकर हाल ही में अपना खुद का रेस्टोरेंट लॉन्च किया है। हाल ही में कर्ली टेल्स से बातचीत करते हुए मलाइका अरोड़ा ने शादीशुदा महिलाओं को अपने फाइनेंस को संभालने की सलाह दी।

श्इंडिपेंडेंट रखो बाबा। जो तेरा है वह तेरा है और जो मेरा है वह मेरा है। जब आप शादी करते हैं, तो एक दूसरे से घुलने–मिलने की कोशिश करते हैं। एक ऐसी स्तिथि पैदा हो जाती है, जहां आप हर चीज एक साथ करना चाहता हैं और एक जैसी, लेकिन मुझे लगता है कि आपकी खुद की पहचान होना बहुत जरूरी हैष्।

शादी का मतलब ये नहीं आप अपनी पहचान छोड़ दें

मलाइका अरोड़ा ने आगे कहा, ये अच्छी बात है कि आप साथ में चीजें करना चाहते हो, लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप पूरी तरह से अपनी पहचान ही खो दो और किसी और की पहचान अपना लो। आप पहले ही किसी और का लास्ट नाम ले रहे हो, इसलिए ये जरूरी है कि आपके बैंक अकाउंट को अपने पास बचाकर रखें।

2024 बॉलीवुड स्टार्स का OTT डेब्यू

एंटरटेनमेंट डेस्क। कई बॉलीवुड सितारों ने साल 2024 में ओटीटी डेब्यू किया है। इस लिस्ट में ऐसे सितारों के नाम शामिल हैं, जिनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई करती हैं। दो पत्ती में कृति सेनन की बोल्ड भूमिका से लेकर वरुण धवन की एक्शन से भरपूर सिटाडेल तक 2024 में इनके अलावा भी कई बॉलीवुड सितारों ने ओटीटी डेब्यू में चमक बिखेरी। साल 2024 बॉलीवुड के लिए काफी शानदार रहा। इस साल कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों ने सिनेमाघरों में दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। तो वहीं ओटीटी पर भी कई फिल्मों ने दर्शकों का दिल जीता। कई बॉलीवुड अभिनेताओं ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी पहली शुरुआत की और उन्हें जमकर प्रशंसकों का प्यार मिला। सिटाडेल हनी बनी में वरुण धवन से लेकर दो पत्ती में कृति सेनन तक, यहां उन बॉलीवुड अभिनेताओं की एक झलक है, जिन्होंने अपने ओटीटी डेब्यू से दर्शकों का दिल जीत लिया।

इन बालीवुड सितारों ने 2024 में किया ओटीटी डेब्यू, कीर्ति सेनन–वरुण धवन के अलावा कई नाम शामिल

वरुण धवन का ओटीटी डेब्यू

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वरुण ने इस साल फिल्म सिटाडेल हनी बनी से ओटीटी डेब्यू किया। सिटाडेल हनी बनी में वरुण के अलावा साउथ अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु भी नजर आईं। 6 नवंबर, 2024 को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई, सिटाडेल सीरीज (रिचर्ड मैडेन और प्रियंका चोपड़ा जोनास) की भारतीय स्पिन–ऑफ को राज और डीके ने निर्देशित किया और आलोचकों और दर्शकों दोनों से काफी प्रशंसा मिली। एक्शन से भरपूर इस सीरीज ने 30वें क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स में नामांकन भी हासिल किया, जिससे इसकी सफलता जाहिर होती है।

कृति सेनन का ओटीटी डेब्यू

कृति सेनन ने अपने प्रोडक्शन की पहली फिल्म दो पत्ती से ओटीटी डेब्यू किया है। इस फिल्म में कृति के अलावा काजोल ने भी शानदार अभिनय किया है। देवीपुर के रहस्यमयी गांव में सेट की गई इस फिल्म में इंस्पेक्टर विद्या ज्योति (काजोल) सौम्या (कृति सेनन), उसके पति ध्रुव (शहीर शेख) और सौम्या की जुड़वां बहन शैली से जुड़ी एक हत्या की गुत्थी की जांच करती है। ग्रे शेड्स वाले किरदार को बखूबी निभाने के लिए कृति को आलोचकों की प्रशंसा मिली। खास बात यह है कि दो पत्ती से टेलीविजन के दिलों की धड़कन शहीर शेख ने भी बॉलीवुड में डेब्यू किया।

सिद्धार्थ मल्होत्रा का ओटीटी डेब्यू

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स से किया है अपना ओटीटी डेब्यू किया। सिद्धार्थ ने रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित इंडियन पुलिस फोर्स के साथ अपना डिजिटल डेब्यू किया। 19 जनवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई इस सीरीज में सिद्धार्थ ने नई दिल्ली में बम धमकियों से निपटने वाले बहादुर डीपीएस कबीर मलिक की भूमिका निभाई। इस सीरीज में विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी कुंद्रा भी अहम भूमिका में नजर आए। एक्शन, सस्पेंस और इमोशनल पलों से भरपूर, इंडियन पुलिस फोर्स ओटीटी में एक मनोरंजक सीरीज के रूप में सामने आई।

अनन्या पांडे का ओटीटी डेब्यू

अनन्या पांडे ने फिल्म कॉल मी बे से अपना ओटीटी डेब्यू किया है। अनन्या ने कॉल मी बे में बेला के रूप में दर्शकों का दिल जीता। दक्षिण दिल्ली की एक सोशलाइट से लेकर मुंबई की एक महत्वाकांक्षी पत्रकार तक के उनके परिवर्तन ने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अनन्या ने इस सीरीज के जरिए अपनी एक अलग पहचान बनाई है। करण जौहर के धर्मा एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, शो के सहायक कलाकारों में विहान समत, वरुण सूद, गुरफतेह पीरजादा, मुस्कान जाफरी और निहारिका दत्त शामिल थे। अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग, कॉल मी बे ने अनन्या की बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित किया।

किशोर कुमार की आवाज भी बने रफी

एंटरटेनमेंट डेस्क। किशोर कुमार और रफी साहब दोनों समकालीन गायक थे। किशोर कुमार खुद सिंगर थे, लेकिन उन्होंने इसके बावजूद अपनी कई फिल्मों के गानों को मोहम्मद रफी से गाने के लिए कहा था। आइए जानते हैं किशोर कुमार की किन फिल्मों के गानों को मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज से सजाया। मोहम्मद रफी का शास्त्रीय धुनों से लेकर गहरी रोमांटिक धुनों तक, संगीत में उनका योगदान अद्वितीय है और उनके गीत पीढ़ियों तक गूंजते रहे हैं। आज मोहम्मद रफी की जयंती पर आपको बताते हैं कि किशोर कुमार, जो कि खुद अभिनता होने के साथ बेहतरीन गायक थे। उनकी कई फिल्मों के गानों को मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी है।

1959 में आई फिल्म शरारत का प्रसिद्ध गाना अजब है दास्तां तेरी ऐ जिंदगी को रफी ने अपनी आवाज से सजाया था। फिल्म में किशोर कुमार ने मुख्य अभिनय किया था। इस फिल्म के गानों के लिए ऐसे गायक की आवश्यकता थी, जिनके पास रेंज और शास्त्रीय पृष्ठभूमि हो, जो मोहम्मद रफी ही दे सकते थे। रफी ने किशोर कुमार की इस फिल्म के लिए गाना गाया था। इस फिल्म के अलावा भी किशोर की कई फिल्मों के गाने मोहम्मद रफी ने गाए हैं। इसी फिल्म का एक और गाना रफी ने गाया था– श्तू मेरा कॉपीराइट, मैं तेरी कॉपीराइट। इसके अलावा भी रफी ने किशोर कुमार की फिल्म रंगोली का गाना– छोटी सी ये दुनिया और फिल्म नई दिल्ली का गाना नखरेवाली गाया।

किशोर कुमार पर फिल्माए गए कई गानों को दी रफी ने आवाज, तू मेरा कापीराइट, मैं तेरा कापीराइट

गदर 2 के इर्द–गिर्द भी नहीं भटक पाई वनवास

फेमिली ड्रामा वनवास ने पिछले हफ्ते ही सिनेमाघरों में दस्तक दी। फिल्म का निर्देशन 500 करोड़ी फिल्म गदर 2 के निर्देशक अनिल शर्मा ने किया है। नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा स्टारर फिल्म ने वीकेंड पर ठीक–ठाक कमाई की थी। चलिए आपको बताते हैं कि वनवास ने सोमवार को बश्वक्स अश्फिस पर कितना कारोबार किया।

वनवास 20 दिसंबर को हुई थी रिलीज
नाना पाटेकर ने फिल्म में निभाया लीड रोल
अनिल शर्मा ने किया है वनवास का निर्देशन

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। पिछले साल अनिल शर्मा ने गदर के सीक्वल से बॉक्स ऑफिस पर तूफान ला दिया था। सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर फिल्म ने भारत में 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया था। अब एक साल बाद अनिल शर्मा एक और फिल्म लेकर वापस लौटे हैं जो एक्शन नहीं इमोशन से भरी है। यह है वनवास मूवी। 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई वनवास ने एक बार फिर अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी की फिल्म बागबान की याद दिला दी। फिल्म की कहानी डाइमेंशिया से पीड़ित एक बुजुर्ग पिता की है, जिसे उनके बच्चे वाराणसी में छोड़ आते हैं और वह अपने बच्चों की तलाश में इधर–उधर भटकता रहता है। आंखों में आंसू ला देने वाली फिल्म ने दर्शकों का दिल तो चुरा लिया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाई नहीं हो पा रही है।

वनवास ने किया इतना कारोबार

कम बजट में बनी फिल्म वनवास ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बहुत धीमी शुरुआत की थी। पहले दिन कमाई सिर्फ 73 लाख रुपये हुई थी। वीकेंड पर फिल्म को फायदा मिला था, लेकिन उतना नहीं जितनी उम्मीद थी। शनिवार और रविवार को करीब एक करोड़ कमाने वाली वनवास का सोमवार को कारोबार बहुत गिर गया। सैकनिल्क के मुताबिक, वनवास ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर चौथे दिन 45 लाख रुपये का बिजनेस किया था।

अरबाज खान की एक्स गर्लफ्रेंड रहीं जार्जियां एंड्रियानी

फ्यूचर हसबैंड में ये खूबियां तलाश रही हैं जार्जिया एंड्रियानी
लंबे समय तक एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप में रहे जार्जिया और अरबाज
कुछ महीनों पहले अलग हुए अरबाज और जार्जिया

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड फिल्म निर्माता एक्टर अरबाज खान का नाम इन दिनों अपनी दूसरी शादी को लेकर लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। हाल ही में अरबाज ने अपनी गर्लफ्रेंड शूरा खान के साथ निकाह किया है। ऐसे में अब अरबाज खान की एक्स गर्लफ्रेंड जॉर्जिया एंड्रियानी का एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में जॉर्जिया अपने फ्यूचर हसबैंड को लेकर खुलकर बात करती हुई नजर आ रही हैं। आइए जानते है कि जॉर्जिया एंड्रियानी ने अपने पार्टनर की किन खूबियों का जिक्र किया है।

फ्यूचर हसबैंड में ये खूबियां तलाश रही हैं जार्जिया एंड्रियानी

अरबाज खान की एक्स गर्लफ्रेंड के रूप में जॉर्जिया एंड्रियानी को काफी लाइमलाइट मिली। मूल रूप से इटली की रहने वालीं जॉर्जिया लंबे समय से मुंबई में रह रही हैं और उनकी पहचान किसी बी टाउन एक्ट्रेस से कम नहीं हैं। ऐसे में अब अरबाज खान की शादी के बाद जॉर्जिया एंड्रियानी का एक लेटेस्ट वीडियो इंटरनेट पर जमकर छा रहा है। इस वीडियो को फिल्मीज्ञान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। इस वीडियो में जॉर्जिया से उनके फ्यूचर पार्टनर को लेकर सवाल पूछा जा रहा है। जिस पर उन्होंने खुलकर जवाब दिया है। जॉर्जिया एंड्रियानी ने कहा है– सबसे पहली और बड़ी बात उसका फिल्म इंडस्ट्री से कोई नाता नहीं होना चाहिए। वह सिंपल शख्स होना चाहिए, ग्लैमर्स की दुनिया से उसे कुछ लेना देना न हो। दूसरी बात वह मुझे प्यार करे और ख्याल रखे। बस यही कुछ खूबियां हैं, जो मैं अपने फ्यूचर पार्टनर में तलाशती हूं।

हाल ही में अरबाज खान ने अपनी गर्लफ्रेंड शूरा खान के निकाह किया है। अपनी दूसरी शादी को लेकर बीते दिनों से अरबाज का नाम लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। इस बीच अरबाज खान की एक्स गर्लफ्रेंड जश्नजिया एंड्रियानी ने अपनी शादी को लेकर बड़ी बात कह दी है और फ्यूचर हसबैंड में वह क्या खूबियां तलाश रही हैं उसका भी जिक्र किया है।

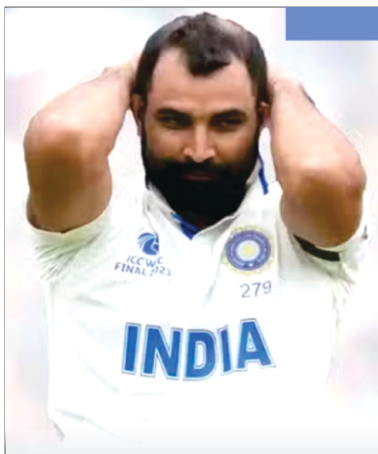

भारतीय टीम की उम्मीदों पर फिरा पानी

आस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे शमी, अगले दो टेस्ट के लिए अनफिट घोषितय बीसीसीआई ने दी जानकारी

स्पोर्ट्स डेस्क। हाल ही में तीसरे टेस्ट मैच के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के अधिकारियों से शमी की फिटनेस पर स्थिति स्पष्ट करने कहा था और अब भारतीय बोर्ड ने उन्हें अनफिट करार दिया। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को इस तेज गेंदबाज की फिटनेस पर जानकारी दी और उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले दो टेस्ट के लिए अनफिट घोषित किया। हाल ही में तीसरे टेस्ट मैच के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के अधिकारियों से शमी की फिटनेस पर स्थिति स्पष्ट करने कहा था और अब भारतीय बोर्ड ने उन्हें अनफिट करार दिया।शमी को घुटने की चोट के कारण बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया था। शमी पिछले साल वनडे विश्व फाइनल के बाद से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं और उन्होंने रणजी ट्रॉफी के जरिये मैदान पर वापसी की थी। शमी घरेलू क्रिकेट में खेल रहे हैं और बीसीसीआई की मेडिकल टीम लगातार उन पर नजरें रखी हुई थी।

शमी की घुटने में हल्की सूजन

बीसीसीआई ने इस बात की पुष्टि की है कि घुटने की चोट के कारण शमी लंबे समय से टीम से बाहर हैं और उन्हें शमी के जल्द पूरी तरह स्वस्थ होने की उम्मीद है। बीसीसीआई ने शमी की फिटनेस पर जानकारी देते हुए कहा, बीसीसीआई की मेडिकल टीम भारतीय तेज गेंदबाज शमी के साथ करीब से काम कर रही थी जिससे वह जल्द चोट से उबर सकें। शमी टखने की चोट से पूरी तरह उबर चुके थे। शमी ने रणजी ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के खिलाफ बंगाल के लिए 43 ओवर गेंदबाजी की। इसके अलावा उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सभी नौ मैच खेले, जहां वह अतिरिक्त गेंदबाजी सत्र में शामिल हुए जिससे टेस्ट मैच के लिए फिट हो सकें।

शतरंज खिलाड़ी तानिया ने दिल्ली सरकार से मान्यता नहीं मिलने पर दुख जताया, आतिशी का आया जवाब

स्पोर्ट्स डेस्क। तानिया, डी हरिका, आर वैशाली, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल भारत की उस टीम में शामिल थीं जिन्होंने हंगरी के बुडापेस्ट में 45वें शतरंज ओलंपियाड की महिला स्पर्धा का खिताब जीता था। यह पहली बार था जब देश ने खिताब जीता था। ओलंपियाड स्वर्ण विजेता भारतीय शतरंज खिलाड़ी तानिया सचदेव ने सोमवार को दिल्ली सरकार से 'मान्यता नहीं मिलने' पर दुख जताया जिसके बाद मुख्यमंत्री आतिशी ने इस मामले पर 'विचार और सुझाव' के लिए उनसे संपर्क किया। राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाली 38 वर्षीय अर्जुन पुरस्कार विजेता तानिया ने कहा कि दिल्ली सरकार ने अभी तक उनकी उपलब्धियों को मान्यता नहीं दी है।

तानिया ने 'एक्स' पर लिखा, ₹2008 से भारत के लिए खेलने के बाद शतरंज में उपलब्धियों के लिए दिल्ली सरकार से मान्यता नहीं मिलना निराशाजनक है। जो राज्य अपने चौंपियन का समर्थन करते हैं और उनका जश्न मनाते हैं वे सीधे उत्कृष्टता को प्रेरित करते हैं और प्रतिभा को प्रेरित करते हैं। दुख की बात है कि दिल्ली ने अभी तक यह कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा, 2022 शतरंज ओलंपियाड में मैं ऐतिहासिक टीम कांस्य और व्यक्तिगत पदक जीता। दो साल बाद 2024 में ऐतिहासिक शतरंज ओलंपियाड स्वर्ण पदक और आज तक राज्य सरकार द्वारा कोई मान्यता नहीं दी गई है।श उन्होंने आतिशी और उनकी सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को टैग करते हुए उनसे राज्य के शतरंज खिलाड़ियों का समर्थन करने का आग्रह किया।

आतिशी ने उनके पोस्ट का जवाब देते हुए उन्हें बातचीत के लिए आमंत्रित किया और साथ ही इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार खेल प्रतिभाओं का समर्थन करती रही है। आतिशी ने कहा, हाय तानिया, हमने हमेशा अपने सभी एथलीटों और खिलाड़ियों का समर्थन किया है, खासकर हमारे स्कूलों में। आपसे मिलना और यह समझना अच्छा लगेगा कि शतरंज खिलाड़ियों के लिए और क्या किया जा सकता है। उन्होंने कहा, मेरा कार्यालय आपसे संपर्क करेगा और मैं आपके विचारों तथा सुझावों को सुनने के लिए उत्सुक हूं।श तानिया, डी हरिका, आर वैशाली, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल भारत की उस टीम में शामिल थीं जिन्होंने हंगरी के बुडापेस्ट में 45वें शतरंज ओलंपियाड की महिला स्पर्धा का खिताब जीता था। यह पहली बार था जब देश ने खिताब जीता था।

तमिलनाडु की रहने वाली वैशाली और तेलंगाना की रहने वाली हरिका को उनकी संबंधित राज्य सरकारों ने 25–25 लाख रुपये का पुरस्कार दिया। दिव्या को उनके गृह राज्य महाराष्ट्र ने एक करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया। तानिया की अन्य उपलब्धियों में 2022 शतरंज ओलंपियाड में टीम कांस्य के साथ–साथ बोर्ड चार पर व्यक्तिगत कांस्य जीतना शामिल है। तानिया 2005 में महिला ग्रैंडमास्टर बनने वाली आठवीं भारतीय थीं।

फैसला अब देश के हाथों में

खेलरत्न पर मनु के पिता ने जताई साजिश की आशंका

खेल रत्न मामले पर मनु के पिता राम किशन की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि मनु जानती हैं कि वह पुरस्कार की हकदार हैं, लेकिन उन्होंने यह फैसला देश पर छोड़ दिया है। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने के बावजूद देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए कथित तौर पर नामित नहीं होने वालीं शीर्ष पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने इस पुरस्कार का अंतिम फैसला देश के लोगों पर छोड़ दिया है। विवाद तब शुरू हुआ जब राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों पर फैसला करने वाली समिति ने मनु के नाम की सिफारिश नहीं की और इसके बजाय भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह का नाम खेल रत्न पुरस्कार के लिए आगे बढ़ाया। अब इस मामले पर मनु के पिता राम किशन की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि मनु जानती हैं कि वह पुरस्कार की हकदार हैं, लेकिन इसका फैसला उन्होंने देश पर छोड़ दिया है।

खेल रत्न को लेकर देश फैसला करे

टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट के साथ एक इंटरव्यू में राम किशन ने मनु भाकर के हवाले से कहा, श्उन्हें लगता है कि वह इसके लायक हैं। लेकिन वह चाहती हैं कि देश इसका फैसला करे।श खेल मंत्रालय ने कहा है कि 22 वर्षीय निशानेबाज ने खेल रत्न के लिए आवेदन नहीं किया था, लेकिन उनके परिवार का बयान इससे अलग है। मनु के पिता राम किशन ने टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट से कहा, श्वह पिछले चार साल से पद्म श्री जैसे विभिन्न पुरस्कारों के लिए आवेदन कर रही हैं। तो वह इस साल आवेदन क्यों नहीं करेंगी?

पिता बोले– 49 आवेदन खारिज किए गए

राम किशन के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में मनु ने 49 नकद पुरस्कार आवेदन जमा किए थे, जिनकी वह हकदार थीं। हालांकि, सभी 49 आवेदनों को खारिज कर दिया गया था। उन्होंने कहा, श्इतने शानदार प्रदर्शन के बावजूद अगर मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए मनु का नाम नहीं सुझाया जाता तो फिर मुझे लगता है कि समिति में सब कुछ सही नहीं है या किसी आदेश का पालन किया जा रहा है। अगर हमें भारत को खेलों का केंद्र बनाना है तो फिर भी ओलंपिक पदक विजेताओं और ओलंपियनों को सम्मान देना चाहिए और उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए न कि उन्हें इस तरह के फैसलों से हतोत्साहित करना चाहिए।

मनु ने कहा ओलंपिक में जाकर पदक नहीं जीतना चाहिए था..

मनु के पिता राम किशन ने कहा है कि उन्हें मनु को शूटिंग जैसे खेल में डालने का पछतावा है। इसके बजाय उन्हें मनु को एक क्रिकेटर बनाना चाहिए था।

बाएं से– कोच जसपाल, मनु, मनु की मां सुमेधा, मनु के पिता राम किशन –

स्पोर्ट्स डेस्क। 2024 पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वालीं भारत की शीर्ष निशानेबाज मनु भाकर खेल रत्न के लिए उनके नाम की अनदेखी होने से दुखी हैं। मनु का दावा है कि उन्होंने पुरस्कार के लिए अपना नाम ऑनलाइन पोर्टल में जमा किया था फिर भी 30 नामों की शॉर्टलिस्ट में जगह बनाने में विफल रहीं। एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी मनु जाहिर तौर पर निराश हैं कि देश के सर्वोच्च खेल सम्मान के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया गया। उनके पिता राम किशन ने कहा है कि उन्हें मनु को शूटिंग जैसे खेल में डालने का पछतावा है। इसके बजाय उन्हें मनु को एक क्रिकेटर बनाना चाहिए था।

मनु के पिता राम किशन का बयान

टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ बातचीत में मनु भाकर के पिता ने खेल मंत्रालय और खेल रत्न नामांकितों की सूची को अंतिम रूप देने वाली समिति पर तीखी टिप्पणी की। मंत्रालय ने कहा है कि मनु ने पुरस्कार के लिए अपना नाम नहीं सौंपा था, लेकिन इस स्टार निशानेबाज ने और उनके पिता ने इसका खंडन किया है। राम किशन ने कहा, श्मुझे उन्हें निशानेबाजी के खेल में जाने के लिए प्रेरित करने का पछतावा है। मुझे इसके बजाय मनु को क्रिकेटर बनाना चाहिए था। फिर, सभी पुरस्कार और प्रशंसा उन्हें मिल जाती। उन्होंने एक ही ओलंपिक संस्करण में दो पदक जीते, उनसे पहले किसी भारतीय ने ऐसा नहीं किया है। आप मेरे बच्चे से देश के लिए और क्या करने की उम्मीद करते हैं? सरकार को उनके प्रयासों को मान्यता और तवज्जो देनी चाहिए। मैंने मनु से बात की और वह इन सब से निराश हो गई हैं। उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे ओलंपिक में जाकर देश के लिए पदक नहीं जीतने चाहिए थे। मनु ने मुझसे कहा कि उन्हें एक एथलीट नहीं बनना चाहिए था।

खेल मंत्रालय में मामले को लेकर बातचीत जारी

इस मामले को खेल मंत्रालय और महासंघ पूरी तरह से समझने के लिए बातचीत कर रहे हैं। मनु ने खुद कहा है कि उन्होंने पोर्टल पर आवेदन किया है। अगर ऐसा था तो समिति ने उनके नाम पर विचार किया होगा। जो भी स्थिति हो, महासंघ ने मंत्रालय से संपर्क किया है और अधिकारियों से उनका नाम शामिल करने का अनुरोध किया है। मनु ने कथित तौर पर देश के तीसरे और चौथे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार – पद्म भूषण और पद्म श्री के लिए भी आवेदन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आवेदन 15 सितंबर को पद्म पुरस्कार पोर्टल पर जमा किए गए थे।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।